CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक
संपादक : संजय आर। मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-9 अंक: 308 ता. 19 मई 2021, बुधवार कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो। 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

स्टेशनों पर पसरा सन्नाटा- ट्रेन के पहिए नहीं थमे, यात्रियों के पदचाप थम से गए

नई दिल्ली। कोरोना संक्रमण के दौर में मानों देश और दुनिया ठहर गई है। नई दिल्ली स्टेशन पर जहां रोजाना पांच लाख से अधिक लोगों की प्रतिदिन चहल-पहल रहती थी वहीं इनदिनों बमुश्किल यात्री दिखाई पड़ रहे है। लंबी दूरी की ट्रेनें तो चल रही हैं, बावजूद स्टेशन पर सन्नाटा पसरा रह रहा है। मानों देश की राजधानी का नहीं किसी कस्बे का स्टेशन हो। यात्रियों की कमी को देखते हुए रेलवे भी लगातार ट्रेनों को निरस्त करने को मजबूर है। पिछले साल के देश व्यापी लॉकडाउन में जहां ट्रेन के पहिए थम गए थे तो इस साल ट्रेन के पहिए पटरी पर तो दौड़ रहे हैं, लेकिन यात्री महामारी के दौर में गायब हैं। देश की राजधानी दिल्ली के स्टेशनों पर सन्नाटा पसरा हुआ है। आने व जाने वाली ट्रेनें 40 प्रतिशत भी नहीं भरी रह रही है। कुछ यात्री स्टेशन पर पहुंच भी रहे हैं तो वह प्लेटफार्म पर चहलकदमी करने की बजाए कोविड प्रोटोकॉल या संक्रमण के खतरे को भांपते हुए सीधा शांतिपूर्वक ट्रेन में अपनी सीट पर बैठ जा रहे हैं। यहां तक कि खाने-पीने के स्टॉल पर भी नहीं पहुंच रहे हैं। इस वजह से प्लेटफार्म पर खाद्य पदार्थ बेचने वालों के भी रोजगार का साधन इनदिनों खत्म हो रहा है। ऑटो-टैक्सी वालों की भीड़ तो है, लेकिन यात्रियों का टोटा हो गया है। इस स्थिति को देखते हुए रेलवे भी ट्रेनों की संख्या में लगातार कटौती कर रहा है। रेलवे बोर्ड अध्यक्ष सुनित शर्मा ने बताया कि कोरोना के पहले देशभर में कुल मेल व एक्सप्रेस ट्रेन 1768 चल रही थीं तो इस दौरान महज 1005 ट्रेनें ही लंबी दूरी की चल रही हैं। इसी तरह देशभर में महज 517 पैसेंजर ट्रेन तो सबअर्बन रेलवे में 3893 लोकल चल रही हैं। ट्रेनों में यात्रियों की संख्या की लगातार मॉनीटरिंग की जा रही है। स्टेशन पर यात्रियों की कमी की वजह से खाद्य पदार्थ की बिक्री करने वालों के के सामने भी खाने की समस्या उत्पन्न हो रही है।

गुजरात तट से टकराने के बाद कमजोर पड़ा ताउते, अबतक 18 लोगों की हुई मौत

नई दिल्ली। भीषण चक्रवाती तूफान ताउते सोमवार रात में गुजरात के सौराष्ट्र तट से टकराया और इस दौरान हवा 185 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चली। इससे पहले, चक्रवात के कारण मुंबई में भारी वर्षा हुई और गुजरात में दो लाख से अधिक लोगों को निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाना पड़ा।

नौसेना ने तूफान में फंसे बजरे पर सवार 146 लोगों को बचाया

भारतीय नौसेना ने अरब सागर में आए चक्रवातीय तूफान 'ताउते' के कारण समुद्र में अनियंत्रित होकर बहे एक बजरे पर सवार 146 लोगों को बचा लिया है और बाकियों की तलाश अभी जारी है। एक अधिकारी ने बताया कि नौसेना ने बचाव कार्य के लिए मंगलवार सुबह पी-81 को तैनात किया था। यह खोज एवं बचाव कार्यों के लिए नौसेना का एक बहुमिशन समुद्री गश्ती विमान है।

ताउते से महाराष्ट्र के कोंकण में छह लोगों की मौत हुई। इसमें रायगढ़ में तीन, सिंधुदुर्ग में एक और नवी मुंबई में दो लोग मारे गए। इसके अलावा कर्नाटक में आठ लोगों की मौत हुई। वहीं रविवार को ताउते से चार लोगों की जान गई थी। इस तरह महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक और केरल में अब तक 18 मौते हुई। कर्नाटक में अब तक 333 घरों, 644 खंभों, 147 ट्रांसफार्मरों, 57 किलोमीटर सड़क, 57 जालों और 104 नावों को नुकसान पहुंचा है।

गुजरात से दो लाख से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा

भीषण चक्रवाती तूफान सोमवार रात में करीब नौ बजे गुजरात के सौराष्ट्र तट से टकराया था। इससे पहले, चक्रवात के कारण मुंबई में भारी वर्षा हुई और गुजरात में दो लाख से अधिक लोगों को निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाना पड़ा। क्षेत्रीय मौसम विभाग केंद्र की ओर से बताया गया कि चक्रवात अब उत्तरी गुजरात की ओर बढ़ेगा। एक अधिकारी ने बताया, ''यह अमरेली जिले की ओर बढ़ेगा और फिर सुरेंद्रनगर जिले को पार करते हुए बनासकांठा की ओर जाएगा। हमें उम्मीद है कि आगे बढ़ने के साथ-साथ तूफान कमजोर होता जाएगा।''

गुजरात तट से टकराने के बाद कमजोर पड़ा चक्रवात ताउते

भारत मौसम विज्ञान विभाग ने मंगलवार को बताया कि चक्रवात ताउते सोमवार की मध्यरात्रि में सौराष्ट्र क्षेत्र के दीव और ऊना के बीच गुजरात तट से टकराने के बाद कमजोर पड़ गया है। राज्य के अधिकारियों ने बताया कि ताउते के कारण किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है और यह तूफान अब कमजोर पड़ गया है। मौसम विभाग ने मध्यरात्रि के बाद ट्वीट किया जिसमें बताया कि ताउते अब 'काफी गंभीर चक्रवाती तूफान' से कमजोर होकर 'गंभीर चक्रवाती तूफान' में बदल गया है।विभाग ने ट्वीट किया, ''चक्रवात का अगला हिस्सा तट से होकर गुजर चुका है और अब पिछला हिस्सा भी जमीनी हिस्से की ओर बढ़ रहा है।''

अब तक कुल 18 की मौत

ताउते से सोमवार को महाराष्ट्र के कोंकण में छह लोगों की मौत हुई। इसमें रायगढ़ में तीन, सिंधुदुर्ग में एक और नवी मुंबई में दो लोग मारे गए। इसके अलावा कर्नाटक में आठ लोगों की मौत हुई। वहीं रविवार को ताउते से चार लोगों की जान गई थी। इस तरह महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक और केरल में अब तक 18 मौते हुई। कर्नाटक में अब तक 333 घरों, 644 खंभों, 147 ट्रांसफार्मरों, 57 किलोमीटर सड़क, 57 जालों और 104 नावों को नुकसान पहुंचा है।

वैक्सीन लेना हुआ आसान, अब हिंदी और 14 क्षेत्रीय भाषाओं में होगा कोविन पोर्टल

नई दिल्ली। कोरोना टीका लगाने के लिए कोविन पोर्टल पर लगातार सुधार किए जा रहे हैं। अब पोर्टल पर हिन्दी और 14 क्षेत्रीय भाषाओं में भी पंजीकरण का विकल्प उपलब्ध होगा। अभी तक यह सिर्फ अंग्रेजी में ही उपलब्ध था। बता दें कि टीकाकरण के लिए पोर्टल पर पहले पंजीकरण कराना होता है।

कोरोना पर बने मंत्री समूह की बैठक में नेशनल हेल्थ एजेंसी की तरफ से यह जानकारी दी गई कि अब पोर्टल को हिन्दी एवं क्षेत्रीय भाषाओं में भी उपलब्ध कराया जा रहा है। अगले सप्ताह से यह सुविधा मिलनी भी शुरू हो जाएगी। स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने इस पहल की सराहना भी की। इससे टीके के लिए पंजीकरण कराने वाले लोगों को सुविधा होगी जो अंग्रेजी नहीं जानते हैं।

Cowin.gov.in पोर्ट्ल पर दी गई जानकारी के मुताबिक, इसके जवाब में बताया है कि 45 साल या उससे अधिक आयु के भारतीय नागरिक ऑनलाइन

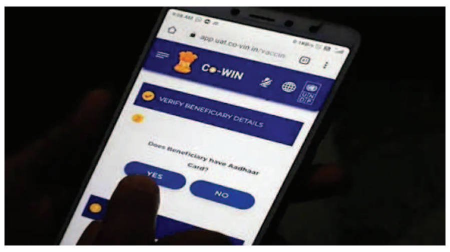

45 साल से अधिक आयु वाले लोग बिना अपॉइंटमेंट के वैक्सीन सेंटर्स जा सकते हैं और टीका लगवा सकते हैं। दरअसल, कोविन पोर्टल के फ्रक्वसेक्सन में 17वें नंबर पर एक सवाल है कि क्या मैं बिना अपॉइंटमेंट के वैक्सीनेशन लगवा सकता हूं तो रजिस्ट्रेशन करके अपॉइंटमेंट ले सकते हैं या फिर बिना अपॉइंटमेंट के वैक्सीनेशन सेंटर्स पर जाकर टीका लगवा सकते हैं। लेकिन 18-44 साल की आयु के लोगों को रजिस्ट्रेशन कराना और अपॉइंटमेंट लेना अनिवार्य है।

हाईकोर्ट की तल्ख टिप्पणी-राम भरोसे चल रही है उत्तर प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रदेश के छोटे शहरों, कस्बों व ग्रामीण इलाकों में संक्रमण तेजी से बढ़ने तथा मरीजों के इलाज में हो रही लापरवाही पर तीखी टिप्पणी करते हुए कहा है कि सूबे की स्वास्थ्य व्यवस्था राम भरोसे चल रही है। इसमें तत्काल सुधार की आवश्यकता है। कोर्ट ने मेरठ मेडिकल कॉलेज में भर्ती कोविड मरीज संतोष कुमार के लापता होने में डाक्टरों और मेडिकल स्टॉफ की लापरवाही को गंभीर मानते हुए अपर मुख्य सचिव चिकित्सा व स्वास्थ्य को जिम्मेदारी तय करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने प्रदेश सरकार को चार माह में प्रदेश के अस्पतालों में चिकित्सकीय ढांचा सुधारने और पांच मेडिकल कॉलेजों को

एसजीपीजीआई स्तर का संस्थान बनाने के लिए कदम उठाने का निर्देश दिया है।

स्वतः प्रेरित जनहित याचिका की सुनवाई कर रही न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा और न्यायमूर्ति अजीत कुमार की पीठ ने कहा कि वर्तमान में प्रदेश में चिकित्सा सुविधा बेहद नाजुक और कमजोर है। यह आम दिनों में भी जनता की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है। महामारी के दौर में इसका चरमरा जाना स्वाभाविक है। कोर्ट ने कहा है कि प्रदेश के 20 बेड वाले सभी नर्सिंग होम में कम से कम 40 प्रतिशत बेड आईसीयू हों और इसमें 25 प्रतिशत वेंटिलेटर हों। बाकी 25 प्रतिशत हाईफ्लो नसल बाइपाइप का इंतजाम होना चाहिए। 30 बेड वाले नर्सिंग होम में अनिवार्य रूप से ऑक्सीजन प्लांट होना चाहिए। प्रयागराज, आगरा, कानपुर, गोरखपुर और मेरठ मेडिकल कॉलेजों को उच्चीकृत कर एसजीपीजीआई स्तर का संस्थान बनाया जाए। इसके लिए सरकार भूमि अर्जन के आपातकालीन कानून का सहारा ले और धन उपलब्ध कराए। इन संस्थानों को कुछ हद तक स्वायत्तता भी दी जाए। कोर्ट ने कहा कि गांवों और कस्बों में सभी प्रकार की पैथालॉजी सुविधा और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में लेवल टू स्तर की चकित्सा सुविधाएं मुहैया कराई जाएं। बी और सी ग्रेड के शहरों को कम से कम 20 आईसीयू सुविधा वाली एंबुलेंस दी जाए। हर गांव में दो एंबुलेंस होनी चाहिए ताकि गंभीर मरीजों को अस्पताल पहुंचाया जा सके। कोर्ट ने यह सुविधा एक माह में उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है।

देश में कितने लोगों को लग चुकी है कोरोना वैक्सीन? सरकार ने दी जानकारी

नई दिल्ली। देश में कोविड-19 टीके की 14,79,592 खुराक लगाई गई, जिसके साथ ही अब तक टीका लगवाने वालों की संख्या 18.44 करोड़ के पार चली गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा कि सोमवार को 18-44 वर्ष आयवुर्ग के 6,63,329 लोगों को कोविड-19 टीके की पहली खुराक लगायी गयी और इस तरह इस टीकाकरण के तीसरे चरण की शुरुआत से अब तक 36 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों में इस वर्ग में 59,32,704 लाभार्थियों को टीके लगाये जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि 17 मई को रात आठ बजे तक की अंतरिम रिपोर्ट के अनुसार, देश में अब तक कोविड-19 टीके की 18,44,22,218 खुराक लगायी गयी हैं। अब तक दी गई खुराकों में से 96,58,913 ऐसे

स्वास्थ्यकर्मी हैं जिन्हें कोविड-19 टीके की पहली खुराक दी गयी है जबकि 66,52,200 ऐसे स्वास्थ्यकर्मी हैं जिन्हें दूसरी खुराक भी लग गयी है। साथ ही, अग्रिम मोर्चे के 1,44,97,411 कर्मियों को पहली खुराक जबकि 82,16,750 कर्मियों को दूसरी खुराक भी दी जा चुकी है। टीकाकरण अभियान के दौरान 45 से 60 साल के 5,76,53,924 लोगों को कोविड-19 टीके की पहली खुराक तथा 92,39,392 लोगों को दूसरी खुराक भी लगायी गयी है। इसके अलावा 60 साल से ऊपर के 5,46,60,900 लोगों को पहली खुराक और 1,79,10,024 लोगों को दूसरी खुराक दी गयी है। टीकाकरण अभियान के 122वें दिन 17 मई को टीके की 14,79,592 खुराक दी गईं।

269 ऑक्सीजन एक्सप्रेस के जरिए रेलवे ने 13 राज्यों को पहुंचाई 10 हजार टन से ज्यादा ऑक्सीजन

नई दिल्ली। कोरोना काल में अपनी विशेष ऑक्सीजन एक्सप्रेस को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही भारतीय रेल ने अब तक 269 ऑक्सीजन एक्सप्रेस के जरिए दस हजार टन से ज्यादा लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन की आपूर्ति की है। गुजरात में तूफानी हवाओं के बीच रेलवे ने लगभग 150 टन लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन वाली दो ट्रेनों को का भी सफल संचालन किया है। ऑक्सीजन एक्सप्रेस की गति बढ़ाई गई है और इनकी औसत गति 75 किलोमीटर प्रति घंटे है। रेल बोर्ड के अध्यक्ष और सीईओ सुनीत शर्मा ने कहा है कि ऑक्सीजन प्राणवायु है और रेलवे की प्राथमिकता लोगों की जान बचाना है। इसलिए उनके दिमाग में इसके परिवहन पर

- गुजरात में तूफानी हवाओं के बीच रेलवे ने लगभग 150 टन लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन वाली दो ट्रेनों को का भी सफल संचालन किया है। ऑक्सीजन एक्सप्रेस की गति बढ़ाई गई है और इनकी औसत गति 75 किलोमीटर प्रति घंटे है।

आने वाली लागत है ही नहीं। यह सेवा का काम है, जिसमें पूरे देश के साथ रेलवे भी शामिल है। शर्मा ने बताया कि गुजरात में सोमवार को तूफान के बावजूद रेलवे ने वहां से तेज हवाओं के बीच अपनी दो ऑक्सीजन एक्सप्रेस का संचालन किया है। 18 अप्रैल से रेलवे ने अपनी विशेष ऑक्सीजन एक्सप्रेस की शुरुआत की थी और अब तक 10302 टन लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन की आपूर्ति की जा चुकी है। रेलवे ने 13 राज्यों को यह ऑक्सीजन आपूर्ति की है। इसके लिए उसे 269 ऑक्सीजन एक्सप्रेस चलानी पड़ी है, जिनके जरिए 634 टैंकरों को विभिन्न राज्यों में पहुंचाया गया है। इनमें सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश को 197, दिल्ली को 191, महाराष्ट्र को 34, हरियाणा को 83 और मध्य प्रदेश को 38 टैंकर शामिल है।

इस समय 1005 विशेष मेल एक्सप्रेस ट्रेन-कोरोना संक्रमण को रोकने और यात्रियों की संख्या में आई कमी को देखते हुए रेलवे इस समय 1005 विशेष मेल एक्सप्रेस ट्रेन यात्री ट्रेनों का संचालन कर रही है। उपनगरीय सेवाओं में भी कमी आई है और इनकी संख्या इस समय 3893 है। इसके अलावा सवारी गाड़ियों की संख्या भी कम होकर 517 रह गई है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि अभी तक 4.32 लाख कर्मचारियों का टीकाकरण हो चुका है।

पशुओं से फैलने वाली बीमारियों से हर साल एक करोड़ मौतों का खतरा, 8.5 लाख वायरस हैं एक्टिव

नई दिल्ली। एक स्वास्थ्य दृष्टिकोण (वन हेल्थ एप्रोच) नहीं अपनाने से आने वाले समय में जूनाटिक बीमारियों यानी पशुओं से इंसानों में फैलने वाली बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। आकलन है कि इस दिशा में कदम नहीं उठाए गए तो वर्ष 2050 के बाद इस प्रकार की बीमारियों से हर साल एक करोड़ मौतें हो सकती हैं। यह संख्या कैंसर एवं सड़क हादसों से होने वाली कुल मौतों से भी ज्यादा है।

इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च में प्रकाशित एक शोध रिपोर्ट के अनुसार पिछले दो दशकों से जूनाटिक बीमारियों का प्रकोप बढ़ा है। वर्ष 2000 से हर तीसरे साल एक गंभीर जन स्वास्थ्य समस्या उत्पन्न हो रही है जिसके लिए पशुओं से इंसान में पहुंचे वायरस, पैथोजन या बैक्टीरिया जिम्मेदार हैं। जापानी इन्सेफेलाइटिस, बर्ड फ्लू, निपाह, सार्स, मर्स, जीका आदि बीमारियां इसमें प्रमुख हैं।

8.5 लाख वायरस से बढ़ा खतरा- रिपोर्ट में कहा गया है कि इस समय 8.5 लाख वायरस एवं पैथोजन सक्रिय होने का अनुमान है जिनमें करीब 20 हजार विभिन्न किस्म के कोरोना वायरस हैं। इनमें से कई वायरस पशुओं के जरिये इंसानों में आ सकते हैं। इसका खतरा पहले की तुलना में बढ़ रहा है। इसके कई कारण हैं। जलवायु खतरे, बिगड़ता

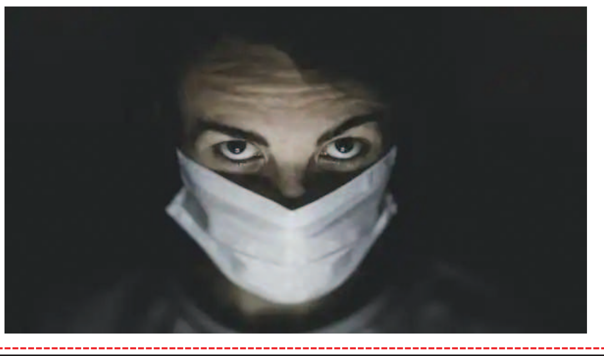

पर्यावरण के अलावा पशुओं में एंटीबायोटिक दवाओं के ज्यादा इस्तेमाल से एंटी माइक्रोबियल रेसिस्टेंस (एएमआर) उत्पन्न हो

- इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च में प्रकाशित एक शोध रिपोर्ट के अनुसार पिछले दो दशकों से जूनाटिक बीमारियों का प्रकोप बढ़ा है। वर्ष 2000 से हर तीसरे साल एक गंभीर जन स्वास्थ्य समस्या उत्पन्न हो रही है

रहा है जो किसी वायरस या पैथोजन के स्ट्रेन में म्यूटेशन का कारण बन सकता है। इससे नए पैथोजन भी उत्पन्न हो सकते हैं। आवासीय इलाकों में पशुओं के रहने की जगहों के बीच स्वच्छता की कमी से ऐसे संक्रमणों का पशुओं से इंसानों में फैलाव है।

मानव संग पशुओं की स्वास्थ्य सुरक्षा जरूरी-शोध में कहा गया है कि इस खतरे से निपटने के लिए एक स्वास्थ्य दृष्टिकोण अपनाना होगा। इसमें इंसान के स्वास्थ्य के साथ-साथ पशुओं के स्वास्थ्य की भी सुरक्षा सुनिश्चित करनी होगी तथा इस दिशा में पशु चिकित्सा विज्ञानियों एवं इंसानों के चिकित्सकों को मिलकर शोध करने होंगे। विभिन्न प्रकार के पैथोजन के हमले के खिलाफ इंसान को बचाने की रणनीति के साथ-साथ पशुओं को भी उनसे बचाने की रणनीति पर कार्य करना होगा।

CMYK

तौकते चक्रवात

भारतीय रेलवे ने तौकते चक्रवात का सामना करने के लिए कदम उठाए

नई दिल्ली (एजेंसी)।

रेलवे तौकते चक्रवात का सामना करने के लिए सभी उपाय कर रहा है। सुरक्षा विभाग ने जीवन के नुकसान और संपत्ति की क्षति को रोकने के लिए आपदा प्रबंधन दिशानिर्देशों को भी दोहराया है। सुरक्षा कारणों से जहां भी अस्थायी निलंबन होता है, वहां किसी भी रेलवे परिचालनों में न्यूनतम समय का व्यवधान और जल्द से जल्द फिर से शुरू करने के प्रयास जारी हैं। जोनल और डिविजनल कंट्रोल स्थिति की निगरानी कर रहे हैं और दक्षिणी रेलवे, दक्षिणी पश्चिमी रेलवे, कोंकण रेलवे, केंद्रीय रेलवे और पश्चिमी रेलवे के सभी रेलवे स्टेशनों के साथ लगातार संपर्क में हैं। किसी भी आकस्मिकता की निगरानी और योजना बनाने के लिए डिविजन और जोन राज्य सरकारों के साथ निरंतर संपर्क में हैं। दुर्घटना राहत ट्रेनों (एआरटी), चिकित्सा राहत वाहनों (एमआरवी) और टावर वैगन जैसी रेलवे की सभी आपातकालीन प्रतिक्रिया को हाई अलर्ट पर रखा है। पत्थर की धूल और बोल्डर (पत्थर के हिस्से) आदि के भण्डारों को किसी भी प्रकार की दरारों से निपटने के लिए तैयार रखा है। संवेदनशील भागों की उस तरह विशेष सघन गश्ती की जा रही है, जिस तरह मानसून के मौसम में की जाती है।

संवेदनशील भागों में हवा की गति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और निर्देशों के अनुसार ट्रेनों की आवाजाही पर गति प्रतिबंध लगाया जा रहा है। मौसम की बदलती स्थितियों को ध्यान में रखते हुए कुछ लंबी दूरी और कम दूरी की यात्री ट्रेनों का अस्थायी रद्दीकरण या पूर्व समाप्ति। 14 मई को दोपहर बाद 4 बजे एक आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ खोला गया है। गोवा बंदरगाह, वीएसजी और अन्य स्टेशनों की सेवा करने वाली रेलवे लाइनों को उचित घोषणाओं के साथ संचालित किया है। अगर चक्रवात की तीव्रता अधिक होती है तो अधिकांश ट्रेनें रोक दी जाएंगी, हालांकि अभी काफी कम ट्रेनें चल रही हैं। बंदरगाहों पर रेलवे रेकों के लिए लोडिंग और अनलोडिंग को चक्रवात की तीव्रता के अनुरूप ठीक और समायोजित किया जा रहा है और सभी संबंधितों को परिचालन समायोजित करने के साथ यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि मानव जीवन और संपत्ति का नुकसान न हो। सभी संवेदनशील भागों और महत्वपूर्ण

पुलों की लगातार इंजीनियरिंग शाखा द्वारा निगरानी की जा रही है और त्वरित प्रतिक्रिया के लिए राहत सामग्री को सुविधाजनक स्थानों पर रखा गया है। रेलवे राज्य के मौसम विभागों के साथ नियमित संपर्क में है और उसके अनुसार कार्रवाई कर रहा है।

85.6 फीसदी हुआ देश में कोरोना रिकवरी रेट, 199 जिलों से मिल रही है राहत की खबर

-बीते कुछ दिनों से हर दिन देश में नए मामलों से ज्यादा रिकवरी के मामले सामने आ रहे हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)।

देश में कोरोना की दूसरी लहर का असर अब स्पष्ट रूप कमजोर होता दिखने लगा है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को जानकारी दी कि देश में कोरोना रिकवरी रेट अब 85.6 फीसदी हो चुका है जो 3 मई को 81.7 फीसदी था। मंत्रालय के ज्वाइंट सेक्रेटरी लव अग्रवाल ने कहा है कि ये स्पष्ट तौर पर एक पॉजिटिव ट्रेंड है। जानकारी के मुताबिक केरल में 99,651 रिकवरी नोट की गई। उन्होंने कहा कि केवल 8 राज्य ही ऐसे हैं जहां प्रतिदिन 10,000 से अधिक मामले आ रहे हैं। 26 राज्य ऐसे हैं जहां रिकवरी प्रतिदिन रिपोर्ट होने वाले मामलों से अधिक है। 7 मई को देश में 4,14,000 के करीब मामले आए थे। पिछले 24 घंटे में 2,63,000 मामले आए हैं। पिछले 2 दिनों से नए मामले 3,00,000 से कम हो गए हैं। 7 मई को आए मामलों से आज के मामले 27 फ़ीसदी कम हैं। केवल 69 फीसदी मामले 8 राज्यों में हैं। मंत्रालय ने बताया है कि देश की पूरी आबादी का 1.8 फीसदी हिस्सा अब तक कोरोना संक्रमण की चपेट में आ चुका है। हम अब तक संक्रमण को 2 फीसदी से कम जनसंख्या में रोकने में कामयाब रहे हैं। देश में केस पॉजिटिविटी रेट घटकर 14.10 फीसदी हो चुका है। ये पूरे देश का औसत है। बीते कुछ दिनों से हर दिन देश में नए मामलों से ज्यादा रिकवरी के मामले सामने आ रहे हैं। आज लगातार दूसरे दिन तीन लाख से कम मामले सामने आए हैं। टेस्ट पॉजिटिविटी रेट लगातार गिर रहा है। हालांकि ग्रामीण इलाकों में संक्रमण का फैलना सरकारों के लिए अब भी बड़ा चैलेंज बना हुआ है।

1.57 करोड़ रु मूल्य की गिलोय की आपूर्ति से कोरोना के खिलाफ लड़ाई में मिली ताकत

नई दिल्ली। सरकारी संगठनों से सहायता प्राप्त एक प्रशिक्षित युवा नेतृत्वकर्ता की देखरेख में कुछ समर्पित युवाओं के एक समूह ने महाराष्ट्र के ठाणे ज़िले में चमत्कृत करने वाले उल्लेखनीय कार्य किए हैं। जमीनी स्तर पर काम करने वाले जनजातीय समूह के युवाओं को औषधीय गुण वाले पौधे गिलोय की आपूर्ति के लिए 1.57 करोड रुपए का आर्डर प्राप्त होने में सफलता मिली। जिन औषधि निर्माताओं से इन्हें आर्डर प्राप्त हुए हैं उनमें डाबर, वैद्यनाथ और हिमालय जैसी बड़ी कंपनियां भी शामिल है। ठाणे के शाहपुर स्थित आदिवासी एकात्मिक सामाजिक संस्था युवाओं का एक ऐसा संगठन है जो क्षेत्र के जनजातीय समुदाय की समस्याओं को दूर करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहता है। जिस औषधीय पौधे गिलोय के लिए इन युवाओं को आर्डर प्राप्त हुए हैं उसे आयुर्वेद में गुडुची कहा है और इसका उपयोग वायरल बुखार और मलेरिया तथा शुगर जैसी बीमारियों के उपचार में औषधि के रूप में किया जाता है। इसका उपयोग पाउडर, सत अथवा क्रीम के रूप में किया जाता है। इन युवाओं की यात्रा कातकरी समुदाय के 27 वर्षीय युवा सुनील के नेतृत्व में शुरू हुई। जिसने अपनी टीम के 10-12 साथियों के साथ मिलकर अपने मूल निवास के राजस्व कार्यालय में कातकरी जनजातीय समुदाय के लोगों की मदद करना शुरू किया। कातकरी जनजातीय समुदाय भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा 75 विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों में से एक है।

नक्सलियों के आईईडी विस्फोट से छत्तीसगढ़ में एक कॉन्स्टेबल की मौत

-अंबेली गांव के समीप जंगल में नक्सलियों ने आईईडी विस्फोट करा दिया

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में मंगलवार को नक्सलियों ने एक आईईडी विस्फोट किया जिससे एक कॉन्स्टेबल की मौत हो गई जबकि दूसरा पुलिसकर्मी घायल हो गया। यह घटना रायपुर से करीब 450 किमी दूर स्थित कुटरू पुलिस थाना क्षेत्र में सुबह करीब साढ़े नौ बजे हुई। उस समय सड़क निर्माण कार्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक सुरक्षा दल इलाके में था। अधिकारी के अनुसार, जब गश्ती दल ने कुटरू से करीब चार किमी दूर स्थित अंबेली गांव के समीप जंगल में घेरा डाला, तो नक्सलियों ने आईईडी विस्फोट करा दिया। उन्होंने बताया कि विस्फोट में हेड कॉन्स्टेबल कलेंद्र प्रसाद नायक की मौत हो गई और कॉन्स्टेबल कमल ठाकुर आईईडी के टुकड़े लगने से घायल हो गए। अधिकारी ने बताया कि घायल पुलिसकर्मी और मृत हेड कॉन्स्टेबल के शव को बीजापुर ले जाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इलाके में तलाशी अभियान अभी जारी है।

जनजातीय मंत्रालय और माइक्रोसॉफ्ट ने जनजातीय स्कूलों के डिजिटल ट्रासफॉर्मेशन के लिए समझौता किए

नई दिल्ली (एजेंसी)।

जनजातीय मामलों के मंत्रालय (एमटीए) ने समावेशी, कौशल-आधारित अर्थव्यवस्था बनाने के लिहाज से आज एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों (ईएमआरएस) और आश्रम जैसे स्कूलों के डिजिटल परिवर्तन को लेकर माइक्रोसॉफ्ट के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। मंत्रालय के एक ऑनलाइन कार्यक्रम %सफलता के लिए युवाओं का सशक्तिकरण% के तहत स्कूल और अन्य संस्थानों के लिए डिजिटल कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं, जिसके तहत यह समझौता किया है। वंचित तबके के लिए चलाए जाने वाले कार्यक्रम अफर्मेटिव एक्शन की पहल के तहत माइक्रोसॉफ्ट आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सहित अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकियों को लेकर मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले सभी ईएमआरएस स्कूलों में अंग्रेजी और हिंदी दोनों में आदिवासी छात्रों और शिक्षकों को हुनरमंद बनाने के लिए पाठ्यक्रम उपलब्ध कराएगा।

केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्री एस.अर्जुन मुंडा; केंद्रीय जनजातीय मामलों की राज्यमंत्री रेणुका सरुता; जनजातीय मामलों के मंत्रालय के सचिव अनिल झा और माइक्रोसॉफ्ट इंडिया, पब्लिक सेक्टर के कार्यकारी निदेशक नवतेज बल और मंत्रालय और ईएमआरएस के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। जनजातीय मामलों के मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि हमारे छात्रों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार होने की जरूरत है। उन्होंने कहा, ÷यह कार्यक्रम विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हमारे छात्रों की तैयारी के मामले में फायदेमंद साबित होगा। ये कार्यक्रम, हमारे छात्रों को डिजिटल परिवर्तन के माध्यम से आवश्यक कौशल मुहैया कराएंगे। यह एआई और कोडिंग के पाठ्यक्रम का एक हिस्सा होने के साथ एक नया अध्याय शुरू करेगा।

योगी आदित्यनाथ इस्तीफा दें या उन्हें बर्खास्त किया जाए: कांग्रेस

-क्या प्रदेश सरकार तीसरी लहर का रास्ता बनाकर लड़ने की तैयारी कर रही हैन्प्रियंका गांधी

-कुछ राज्य सरकारों से साथ मिलकर मौत के आंकड़ों को छिपाने का प्रयास कर रहा है केंद्र

नई दिल्ली। कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार पर कोरोना संक्रमण से होने वाली मौत के आंकड़े छिपाने का आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेशवासियों के जीवन की रक्षा में विफल रहने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को इस्तीफा देना चाहिए और अगर वह ऐसा नहीं करते हैं तो राज्यपाल आनंदीबेन पटेल को उन्हें तत्काल बर्खास्त करना चाहिए। पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने उत्तर प्रदेश में आरटीपीसीआर जांच की संख्या में कथित कमी का मुद्दा उठाया और सवाल किया कि क्या प्रदेश सरकार तीसरी लहर के लिए रास्ता बनाकर फिर उससे लड़ने की तैयारी कर रही है? उन्होंने ट्वीट किया, बिजनौर की 32 लाख आबादी पर रोज मात्र 800-1000 आरटीपीसीआर टेस्ट होते हैं। माननीय उच्च न्यायालय ने कहा कि बिजनौर जैसे जिले में प्रतिदिन 4-5 हजार आरटीपीसीआर टेस्ट होने चाहिए, अन्यथा हम तीसरी लहर को आमंत्रण दे रहे हैं। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने संवाददाताओं से कहा, केंद्र सरकार कुछ राज्य सरकारों से साथ मिलकर मौत के आंकड़ों को छिपाने का कुत्सित प्रयास कर रही है। उत्तर प्रदेश में भी यही हो रहा है।उन्होंने दावा किया, लखनऊ में एक अप्रैल से 15 मई के बीच डेढ़ महीने में, इसके पहले के डेढ़ महीनों की तुलना में, दो हजार अतिरिक्त मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किए गए। यह साफ है कि कोरोना संक्रमण बढ़ने के साथ ही मौत के आंकड़ों में वृद्धि हुई है। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस विधायक दल की नेता अराधना मिश्रा ने आरोप लगाया कि ऑक्सीजन की कमी और अस्पताल में जगह नहीं मिलने से होने वाली मौतों के आंकड़े सरकार के आंकड़ों में नहीं जुड़े हैं। उन्होंने कहा, यह सरकार लोगों के जीवन की रक्षा नहीं कर सकी और लोगों को सम्मानजनक अंतिम संस्कार के अधिकार से भी वंचित किया। यह सरकार पूरी तरह से विफल और असंवेदनशील हो चुकी है। अराधना ने कहा, उत्तर प्रदेश में ऐसी सरकार के बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। अगर मुख्यमंत्री में नैतिकता है तो उन्हें इस्तीफा देना चाहिए और अगर वह इस्तीफा नहीं देते हैं तो राज्यपाल को उन्हें तत्काल बर्खास्त करना चाहिए।

गृह मंत्री अमित शाह ने ताउते पर महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान के मुख्यमंत्रियों से की बात

-ताउते से उत्पन्न स्थिति व चुनौतियों के मद्देनजर उन्हें केंद्रीय मदद का आश्वासन दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को चक्रवात ताउते के मद्देनजर महाराष्ट्र, गुजरात और राजस्थान के मुख्यमंत्रियों से बात कर तीनों राज्यों में हालात का जायजा लिया। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, शाह ने फोन पर इन मुख्यमंत्रियों से बात की और ताउते से उत्पन्न स्थिति व चुनौतियों के मद्देनजर उन्हें केंद्रीय मदद का आश्वासन दिया। तूफान ताउते के असर से तीनों राज्यों सहित कुछ अन्य राज्यों के अनेक हिस्सों में भारी बारिश दर्ज की गई। कुछ स्थानों पर जानमाल के नुकसान की भी खबरें हैं। शाह ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे, गुजरात के उनके समकक्ष विजय रुपाणी और राजस्थान के अशोक गहलोत से बात की। राजस्थान में चक्रवात के कई जिलों में बारिश और तेज हवाओं से जनजीवन अस्तव्यस्त हुआ। मुंबई में तूफान ताउते के कारण 230 मिलीमीटर बारिश हुई। एक मौसम विशेषज्ञ ने मई में 24 घंटे में सबसे अधिक बारिश होने का दावा किया है। आईएमडी के मुंबई केंद्र के अनुसार, सांताक्रूज वेधशाला ने मंगलवार सुबह 8.30 बजे समाप्त हुई 24 घंटे की अवधि में 230.3 मिमी बारिश दर्ज की।

गुजरात में 'ताउते' के कारण चार लोगों की मौत हो गई और राज्य के पश्चिमी तट पर इससे भारी तबाही मची है। आईएमडी ने बताया कि 'ताउते' सोमवार की मध्यरात्रि में सौराष्ट्र क्षेत्र के दीव और ऊना के बीच गुजरात तट से टकराने के बाद कमजोर पड़ गया है। यह गुजरात तट से 'अत्यंत तीव्र चक्रवाती तूफान' के रूप में गुजरा और धीरे-धीरे कमजोर पड़ गया। अधिकारियों ने बताया कि चक्रवाती तूफान के कमजोर पड़ने के बावजूद इससे भारी तबाही मची है। वहीं भावनगर, राजकोट, पाटण और वलसाड में एक-एक व्यक्ति की जान तूफान के दौरान हुए हादसों में गई। राजस्थान में सबसे अधिक 50 मिली. बारिश भीलवाड़ा में दर्ज की गई। इसी तरह चित्तौड़गढ़ में 25 मिमी., डबोक में 2016 मिमी. बारिश दर्ज की गई।

मौसम विभाग ने ताउते के असर से मंगलवार को उदयपुर, सिरोही, राजसमंद, डूंगरपुर, पाली और जालौर जिले में भारी से अति भारी बारिश की चेतावनी जारी की है।

भारत में होगा टीके का इस्तेमाल

अक्टूबर तक दूसरे देशों को वैक्सीन नहीं देगी सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)।

देशभर में कोरोना महामारी के कारण इस घातक वायरस से संक्रमित होने वालों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। ऐसे में सरकारें टीकाकरण अभियान में तेजी लाने में जुटी हुई हैं। हालांकि, इस बीच कई राज्यों में कोरोना वैक्सीन की कमी होने की बात सामने आ रही है। इतना ही नहीं, विपक्षी दलों ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया है कि वह देशवासियों को पर्याप्त टीका न देकर अन्य देशों को टीका भेज रही है। अब केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। सूत्रों के अनुसार केंद्र सरकार अक्टूबर 2021 के आखिर तक कोरोना वैक्सीन की किसी भी बड़ी खेप का निर्यात नहीं करेगी और वैक्सीन का इस्तेमाल देश में ही किया जाएगा। सरकार के इस निर्णय से दुनियाभर में टीकों की आपूर्ति के लिए शुरू की गई पहल कोवैक्स को भारी नुकसान होने की आशंका है। भारत के इस निर्णय से बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका और कई अफ्रीकी देशों के सामने वैक्सीन का संकट खड़ा हो गया है। बता दें कि भारत अभी तक वैक्सीन की 6.6 करोड़ डोज निर्यात कर चुका है। सूत्रों ने बताया है कि भारत अब अपने देश में ही टीकाकरण को बढ़ावा देगा क्योंकि यहां स्थिति हर रोज बदतर होती जा रही है। आंतरिक रूप से भारत ने कुछ देशों को कह भी दिया है कि वह मौजूदा स्थिति में भारत से वैक्सीन पाने की उम्मीद न रखें। हालांकि, यह बात सामने नहीं आई है कि ऐसे कौन से देश हैं, जिन्हें सरकार की ओर से टीके नहीं दिए जाएंगे। भारत से दोबारा वैक्सीन का निर्यात इस पर निर्भर करेगा कि भारत कितनी जल्दी कोरोना की दूसरी लहर को नियंत्रित कर लेगा। सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया प्रवक्ता ने कहा कि हमारा फोकस फिलहाल भारत में वैक्सीन आपूर्ति पर है। हमें पहले यह अनुमान था कि दूसरे देशों को जून से वैक्सीन निर्यात होने लगेगी। हालांकि, इस पूरे विषय पर विदेश मंत्रालय ने अभी तक कोई बयान नहीं दिया है।

संक्षिप्त समाचार

नेशनल हेराल्ड मामले में स्वामी की याचिका पर 30 जुलाई को सुनवाई करेगा हाई कोर्ट

-स्वामी ने निचली अदालत में हेराल्ड केस में अपने दावों के समर्थन में साक्ष्य प्रस्तुत करने का किया है आग्रह

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय (हाई कोर्ट) ने मंगलवार को कहा कि भाजपा सांसद सुब्रमण्यम स्वामी की याचिका पर वह जुलाई में अंतिम बहस सुनेगा। स्वामी ने निचली अदालत में नेशनल हेराल्ड मामले में अपने दावों के समर्थन में साक्ष्य प्रस्तुत करने का आग्रह किया है जिसमें कांग्रेस प्रमुख सोनिया गांधी, उनके बेटे राहुल एवं अन्य आरोपी हैं। न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत ने कहा कि मामले में प्लीडिंग्स पूरी हो गई है। उन्होंने कहा, ''30 जुलाई को अंतिम बहस के लिए इसे फिर से सूचीबद्ध किया जाए।'' अदालत ने इससे पहले गांधी परिवार एवं अन्य को याचिका पर जवाब दायर करने के लिए समय दिया था। जवाब दाखिल कर दिया गया है। कांग्रेस नेताओं का प्रतिनिधित्व वरिष्ठ वकील आरएस चीमा और तरन्नुम चीमा ने किया। स्वामी ने अदालत से कहा कि प्लीडिंग्स पूरी हो गई है और उन्होंने भी इसमें प्रत्युत्तर दाखिल कर दिया है। अदालत ने 22 फरवरी को नोटिस जारी कर गांधी परिवार, कांग्रेस महासचिव ऑस्कर फर्नांडिस, सुमन दुबे, सैम पित्रोदा और यंग इंडियन से स्वामी की याचिका पर जवाब मांगा था और तब तक निचली अदालत की कार्यवाही पर रोक लगा दी थी। स्वामी ने निचली अदालत के एक फैसले के खिलाफ उच्च न्यायालय में याचिका दायर की है। निचली अदालत ने मामले में गांधी परिवार एवं अन्य आरोपियों के खिलाफ अतिरिक्त साक्ष्य पेश करने के लिये उनका आवेदन खारिज कर दिया था।

सीबीएसई 10वीं बोर्ड परीक्षा रिजल्ट: जुलाई में जारी होंगे परिणाम

नई दिल्ली । केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) द्वारा जुलाई में कक्षा दसवीं के परिणाम जारी किए जाएंगे। मंगलवार को सीबीएसई द्वारा आधिकारिक वेबसाइट पर अधिसूचना जारी कर सभी को आंतरिक मूल्यांकन के 20 अंक और मूल्यांकन कमेटी द्वारा 80 में से तय किए जाने वाले अंकों को अब 30 जून तक अपलोड करने के निर्देश दिए हैं। बता दें कि इससे पहले 5 जून तक आंतरिक मूल्यांकन और मूल्यांकन कमेटी द्वारा तय किए गए अंकों को 11 जून तक अपलोड करने के निर्देश थे। जिसके आधार पर सीबीएसई 20 जून को परिणाम घोषित करने वाला था। देश में कोरोना महामारी की वजह से उत्पन्न परिस्थितियों, राज्यों में लगाए गए लॉकडाउन, शिक्षकों और स्टाफ के अन्य सदस्यों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, सीबीएसई ने अंक जमा करने की अंतिम तिथि को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है। बता दें कि कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा का अंतिम परिणाम तैयार करने के लिए सीबीएसई द्वारा विद्यालयों को पांच सदस्यीय शिक्षकों की कमेटी तैयार करने के निर्देश दिए जा चुके हैं। इसके साथ ही मूल्यांकन के आधार पर परिणाम तैयार करने का फार्मूला भी सीबीएसई द्वारा जारी किया जा चुका है।

डीएसटी के सहयोग से वेंटिलेशन सिस्टम से लंबे समय तक पीपीई सूट पहनकर पसीना बहाने वाले स्वास्थ्य कर्मियों को मिलेगी राहत

नई दिल्ली। स्वास्थ्य कर्मियों को जल्द ही भारी घुटन भरी पीपीई किट पहनकर घंटों पसीना बहाने से राहत मिल सकती है। पुणे आधारित एक स्टार्टअप ने पीपीई किट के लिए एक कॉम्पैक्ट और किफायती वेंटिलेशन सिस्टम विकसित किया है, जो पीपीई किट पहनते समय आने वाले अधिक पसीने को रोक सकता है। एक छोटा सा बदलाव कर पीपीई किट के साथ इस वेंटिलेशन सिस्टम को जोड़ने से ये स्वास्थ्य कर्मियों को पर्याप्त मात्रा वेंटिलेशन (हवादार माहौल) प्रदान करता है, जिससे न केवल शारीरिक असहजता बल्कि शरीर में संभावित फंगल रोगों को भी रोका जा सकता है। वॉट टेक्नोवेशंस नाम से एक स्टार्टअप संचालित करने वाले मुंबई के एक इंजीनियरिंग विद्यार्थी निहाल सिंह आदर्श ने सोमैया विद्याविहार विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी उद्यमिता विकास बोर्ड (एनएसटीईडीबी) समर्थित प्रोजेक्ट के तहत रिसर्च इनोवेशन इन्क्युबेशन डिजाइन लैबोरेट्री (आरआईआईडीएल) में 'कोव-टेक वेंटिलेशन सिस्टम'नाम से एक टेक्नॉलॉजी को विकसित किया है।

भारत ने कोरोना महामारी के बीच हासिल किया ग्रामीण विकास में नया मील का पत्थर

नई दिल्ली । भले ही ग्रामीण भारत बढ़ती कोविड महामारी की दूसरी लहर की चपेट में आ गया हो, ग्रामीण विकास मंत्रालय ने ये सुनिश्चित किया है कि देश भर में विकास कार्य प्रभावित नहीं हों। अवधि के दौरान देश ने मंत्रालय के अंतर्गत जारी कई योजनाओं में तेजी और प्रगति देखी है। विकास कार्यों के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में कोविड-19 की स्थिति को नियंत्रित करने के लिए राज्य, जिला और ब्लॉक स्तर पर प्रमुख लोगों को प्रशिक्षित भी किया है। कोविड महामारी के बीच मई 2021 में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के अंतर्गत 1.85 करोड़ लोगों को काम दिया गया। ये काम मई 2019 की समान अवधि में दिये गये काम से 52 प्रतिशत ज्यादा है, जब प्रतिदिन 1.22 करोड़ लोगों को काम दिया गया था। 13 मई 2021 तक 2.95 करोड़ लोगों को वित्त वर्ष 2021-22 में काम दिया जा चुका है, जिसमें 5.98 लाख संपत्तियां पूरी हुईं और 34.56 करोड़ श्रमिक-दिवस उत्पन्न हुए। अग्रिम पंक्ति में काम कर रहे कर्मचारियों सहित सभी स्तरों पर कार्यरत कर्मियों के बीच संक्रमण और मौतों के रूप में नुकसान के बावजूद ये उपलब्धि हासिल की गयी। ग्रामीण क्षेत्रों में कोविड-19 से मुकाबला करने के लिए कोविड-19 के लिये उचित व्यवहार, टीकाकरण, टीके को लेकर झिझक और बेहतर स्वास्थ्य के प्रति उचित व्यवहार के लिये प्रोत्साहन और रोगप्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने आदि को लेकर दीनदयाल अन्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डीएवाई-एनआरएलएम) के अंतर्गत 8-12 अप्रैल 2021 से शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया। पहल के अंतर्गत राज्य, जिला और ब्लॉक स्तरीय 13,958 नोडल व्यक्ति 34 एसआरएलएम में प्रमुख प्रशिक्षक के रूप में प्रशिक्षित हुए। प्रमुख प्रशिक्षकों के द्वारा 1,14,500 कम्युनिटी रिस्पॉन्स पर्सन (सीआरपी) और सीआरपी के द्वारा 2.5 करोड़ महिला एसएचजी सदस्यों को प्रशिक्षित किया गया।

डॉ फाउची ने भारतीय नेताओं को चेताया- कोरोना सिर्फ पीएम मोदी का नहीं आपका भी दुश्मन

कोरोना सहामारी पर ध्यान देने की बजाए भारत के राजनेता आरोप-प्रत्योप में लगे हुए हैं, लोग हैं परेशान

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिका के शीर्ष स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ एंथनी फाउची ने कहा कि यह महामारी सभी की दुश्मन है सिर्फ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नहीं। फाउची ने भारतीय नेताओं को चेताया कि लड़ने की बजाए इस समय देश के बड़े दुश्मन कोरोना वायरस से जंग लड़नी चाहिए। यह समय महामारी के खिलाफ लड़ने का है। बड़े अफसोस की बात है कि भारतीय नेता इस समय पीएम मोदी के खिलाफ एकजुट हो रहे हैं और वायरस को कम समझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत में कुछ लोगों के लिए नागरिकों की जान से ज्यादा महत्वपूर्ण राजनीति है। इस वायरस का लोगों पर क्या असर हो रहा या उनका क्या हाल इसकी तरफ ध्यान देने की बजाए राजनेता आरोप-प्रत्योप में लगे हुए हैं।

डॉ फाउची ने कहा कि जहां पीएम मोदी और उनकी टीम लोगों का जल्द से जल्द वैक्सीनेशन में जुटी हुई है वहीं विपक्ष सहयोग करने की बजाए अफवाहें फैलाकर भ्रम पैदा कर रहा है। विपक्ष की इस चाल से लोगों का ही नुकसान होगा क्योंकि यह वायरस किसी एक के लिए नहीं बल्कि सभी के लिए एक जैसा है। डॉ फाउची ने कहा कि विपक्ष यह नहीं देख रहा कि पीएम मोदी की दिन-रात मेहनत के कारण ही वैज्ञानिक समय से पहले कोरोना वैक्सीन लेकर आए और इसे लोगों को लागाय शुरू किया बल्कि नेता यह देख रहे हैं कि दवा की देश में कमी है। जबकि मोदी सरकार वैक्सीन आपूर्ति के लिए हर जरूरी कदम उठा रही है। डॉ फाउची ने कहा कि पीएम मोदी नें 15 अगस्त 2020 में घोषणा की थी कि जल्द ही कोरोना पर भारतीय वैक्सीन आएगी और वैज्ञानिक तभी से काम पर लग गए थे।

जनवरी 2021 में देश में वैक्सीनेश का काम शुरू भी हो गया था, विपक्ष को यह चीजें भी ध्यान में रखनी चाहिएं। इससे पहले भी अमेरिका के शीर्ष स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ एंथनी फाउची कोरोना वायरस को लेकर भारत की स्थिति पर कुछ न कुछ कहते आए हैं। पिछले दिनों उन्होंने कहा था कि भारत इस गलतफहमी में आ गया था कि कोरोना वायरस खत्म हो गया है इसलिए समय से पहले ही पाबंदियों में ढील दे दी गई। भारत कोविड महामारी की दूसरी लहर से जूझ रहा है और अस्पतालों में बिस्तर, ऑक्सीजन, टीका और दवाइयों की कमी का सामना करना पड़ रहा है। डॉ फाउची ने संसद की स्वास्थ्य, शिक्षा, श्रम एवं पेंशन समिति के समक्ष कहा था कि भारत के वर्तमान गंभीर हालात का कारण यह है कि वहां वास्तव में एक लहर थी और उन्होंने यह गलत आकलन किया।

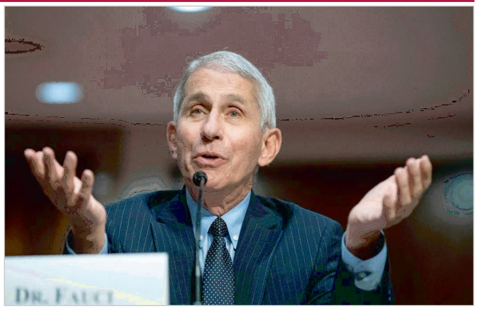

इजरायल-फिलीस्तीन के बीच सीजफायर कराने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन पर बढ़ा दबाव

-दोनों और से हो रहे हमलों में अब तक 200 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 1200 से अधिक घायल

वाशिंगटन (एजेंसी)।

इजरायल और फिलीस्तीन के बीच छिड़ी जंग को रुकवाने के लिए इस वक्त अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन पर जबरदस्त दबाव है। कारण गाजा स्थित मीडिया हाउस पर हुआ हमला है। हमले में एसोसिएटेड प्रेस समेत अलजजीरा का ऑफिस तबाह हो गया था। इजरायली राष्ट्रपति बेंजामेन नेतन्याहू ने टीवी पर जारी एक संदेश में कहा था कि इस इमारत में जो मीडिया हाउस था उसका इस्तेमाल हमास के लोग अपने खुफिया ऑफिस के तौर पर कर रहे थे। उनके मुताबिक हमले में इस इमारत को सटीक तौर पर निशाना बनाया गया था। दोनों और से हो रहे हमलों में अब तक 200 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 1200 से अधिक घायल हैं। इस संबंध में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आपात बैठक के बाद बाइडन की डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता ही उन पर सीजफायर को लेकर दबाव बढ़ाने में लग गए हैं। पिछले दिनों अरब जगत समेत संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने भी हमलों को तुरंत रोकने की अपील की थी। दोनों तरफ से हमलों की शुरुआत के बाद से अब तक राष्ट्रपति बाइडन करीब तीन बार प्रधानमंत्री नेतन्याहू से बात कर चुके हैं। व्हाइट हाउस की तरफ से कहा गया है कि बाइडन ने फिलीस्तीनी हमले से बचाव के तौर पर इजरायली कार्रवाई का समर्थन किया है। बाइडन का कहना है कि इजरायल को अपने नागरिकों की सुरक्षा करने का पूरा अधिकार है। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता का कहना है कि अमेरिका भी चाहता है कि दोनों देशों के बीच चल रहा तनाव कम हो और सीजफायर किया जाए। इस बारे में अमेरिका की मिस्र समेत अन्य देशों के राष्ट्राध्यक्षों से भी बात हुई है।

अच्छी खबर, फाइजर की वैक्सीन को फ्रिज में एक माह तक रख सकते

ब्रुसेल्स (एजेंसी)।

फाइजर की कोविड-19 के खिलाफ तैयार वैक्सीन को लेकर अच्छी खबर सामने आई है। यूरोपीय संघ के ड्रग रेग्युलेटर ने कहा है कि फाइजर की वैक्सीन को अब फ्रिज के तापमान में 1 महीने तक रखा जा सकता है।खास बात है कि इससे पहले यह समय सीमा केवल 5 दिनों की थी, वैक्सीन उम्मीदवारों के सामने आने के बाद से ही फाइजर खासी असरदार मानी जा रही थी, लेकिन उच्च तापमान और मुश्किल ट्रांसपोर्टेशन के जरिए इसका वितरण मुश्किल हो रहा था। कहा जा रहा है कि यूरोपियन मेडिकल एजेंसी यानि ईएमए की तरफ से आया यह बयान पूरे ईयू में वैक्सीन कार्यक्रम को बेहतर बनाएगा। ट्रांसपोर्ट और स्टोरेज के लिए मुश्किल जरूरतों ने इस वैक्सीन के व्यापक वितरण में परेशानी बढ़ा दी थी। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा था कि फाइजर की वैक्सीनको स्टोरेज के लिए उच्च तापमान की जरूरत होती है।संभावित तौर पर यही कारण रहा कि यह दुनिया के कई देशों तक पहुंचने में असफल रही है।

मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया है कि ये बदलाव बंद वायल्स पर लागू होगा। साथ ही संघ ने फाइजर-बायोएनटेक की वैक्सीन के उत्पादन को क्षेत्र में बढ़ाने की अनुमति दे दी है। खास बात है कि संघ ने खून के थक्कों की शिकायत के बाद एस्ट्राजेनेका की वैक्सीन पर अस्थाई रोक लगा दी थी। वहीं, कनाडा में 12 और 15 साल की उम्र के लोगों को टीका लगाने की अनुमति दे दी है। ऐसा करने वाला कनाडा दुनिया का पहला देश है।

बीती फरवरी में अमेरिका ने भी फाइजर के ट्रांसपोर्ट की कुछ शर्तों में बदलाव किए थे। अमेरिका ने -15 से -25 सेल्सियस तक फाइजर की वैक्सीन को दो हफ्तों तक स्टोर और ट्रांसपोर्ट करने की अनुमति दी थी। जबकि, आमतौर पर इस -80 से-60 डिग्री सेल्सियस तापमान की जरूरत होती है।

पाकिस्तान में उग्र भीड़ ने पुलिस थाने पर किया हमला, ईशनिंदा से जुड़ा मामला

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में ईशनिंदा के आरोप में हिरासत में लिए गए व्यक्ति की पीट-पीट कर हत्या करने की कोशिश में भीड़ ने पुलिस थाने पर हमला कर दिया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इसकी जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार, दर्जनों ग्रामीणों ने इस्लामाबाद के गोलरा थाना पर हमलाकर अधिकारियों से ईशनिंदा के आरोप में दर्ज शिकायत की जांच के लिए हिरासत में लिए गए संदिग्ध को उन्हें देने की मांग की। पुलिस द्वारा संदिग्ध को थाने लाने के कुछ ही मिनटों के भीतर, बड़ी संख्या में लोग थाने के गेट पर जमा हो गए। भीड़ ने मोहर्रर (पुलिस लिपिक), जांच अधिकारियों और थाना प्रभारी के कार्यालयों को नुकसान पहुंचाना शुरू कर दिया। अतीत में इस तरह की घटनाओं के कारण ईशनिंदा के आरोपी व्यक्तियों की पीट-पीट कर हत्या हुई है। हमले के दौरान पुलिसकर्मियों ने खुद को लॉक-अप और अन्य कमरों में बंद करके खुद को और संदिग्ध को बचाने की कोशिश की। उन्होंने मदद के लिए पास के एक पुलिस दल से संपर्क किया। आतंकवाद निरोधी विभाग, आतंकवाद निरोधी दस्ते और दंगा रोधी इकाई के कर्मियों सहित पुलिस बल मौके पर पहुंचा और अपने सहकर्मियों को बचाया। करीब एक घंटे तक ग्रामीणों और पुलिस के बीच झड़प चलता रहा।

तुर्की के राष्ट्रपति ने कहा, इजरायल का साथ देने वाले बाइडन के हाथ खून से सने

अंकारा। इजरायल और फिलस्तीन के बीच हिंसा लगातार जारी है। इस बीच तुर्की के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोगान ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन पर करारा हमला कर कहा है कि इज़रायल का साथ देने वाले बाइडन के हाथ खून से सने हैं। बता दें कि पिछले कुछ दिनों से एर्दोग़ान दुनिया के तमाम नेताओं से इजरायल के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने मौजूदा संघर्ष को लेकर अमेरिका और ऑस्ट्रिया की सीधे तौर पर कड़ी आलोचना की है। राष्ट्रपति एर्दोगान ने एक कैबिनेट बैठक के दौरान बाइडन पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने इजरायल को हथियार बेचने को लेकर अमेरिका की आलोचना की। बता दें कि सोमवार को अमेरिकी सरकार ने इज़रायल को 735 मिलियन डॉलर के हथियार बेचने को मंजूरी दी है। एर्दोग़ान ने कहा, आपने मुझे ये कहने के लिए बाध्य किया है, कि आप अपने खूनी हाथों से इतिहास लिख रहे हैं। गाजा में हमले के दौरान सैकड़ों और हज़ारों की संख्या में लोग शहीद हो रहे हैं। एर्दोग़ान ने इसके बाद ऑस्ट्रिया पर निशाना साधा। उन्होंने राजधानी वियना में इजरायल के झंडे फहराने को लेकर नाराजगी जाहिर की। बता दें कि इजरायल के कब्जे वाले पूर्वी यरुशलम स्थित मस्जिद अक्सा से शुरू हुआ संघर्ष दिनों दिन बढ़ता जा रहा है। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक एर्दोग़ान ने कहा है कि मस्जिद-ए-अक़्सा की तरफ़ बढ़ते हुए हाथ तोड़ दिए जाएंगे। उन्होंने कहा, अगर पूरी दुनिया भी खामोश हो जाए,तब भी तुर्की अपनी आवाज़ उठाता रहेगा। इस बीच खबर है कि इजरायल और हमास के बीच जारी संघर्ष को रोकने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और उनका प्रशासन पर्दे के पीछे कोशिश कर रहा है।

सूत्र ने कहा कि बाइडन प्रशासन ने इमारत पर की गई स्ट्राइक को बड़ी रणनीतिक गलती माना है। अमेरिकी प्रशासन का मानना है कि इससे अमेरिका में इजरायल के लिए जनमत में थोड़ा बदलाव आया है।

फिलिस्तीन से संघर्ष के बीच अमेरिका ने इजरायल को 73.5 करोड़ डॉलर की हथियार बिक्री को दी मंजूरी

लास एंजेल्स (एजेंसी)।

इजरायल और फिलीस्तीन के बीच जारी हिंसा के बावजूद बाइडेन प्रशासन ने इजराइल को 73.5 करोड़ डालर के हथियार बेचने को मंजूरी दे दी है। फिलस्तीन और इजरायल के मध्य जारी हिंसा के बावजूद सांसदों द्वारा इस समझौते पर आपत्ति जताने की संभावना नहीं है। हथियारों की बिक्री के बड़े समझौते से पहले संसद को अधिसूचित किया गया।

तीन सांसदों के सहयोगियों ने बताया कि विदेश में हथियारों की बिक्री के बड़े समझौते से पहले नियमित समीक्षा प्रक्रिया के तहत इस संभावित वाणिज्यिक बिक्री के बारे में संसद को आधिकारिक रूप से पांच मई को अधिसूचित किया गया। हालांकि बिक्री की योजना के बारे में संसद को अप्रैल में ही सूचित कर दिया गया था। अमेरिकी कानून के मुताबिक, औपचारिक अधिसूचना के बाद संसद को बिक्री पर आपत्ति जताने के लिए 15 दिन का समय मिलता है।

दरअसल, इस बिक्री पर आपत्ति की संभावना इसलिए नहीं है क्योंकि अमेरिका में डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन दोनों ही पार्टियां इजराइल का जबर्दस्त समर्थन करती हैं। इससे पहले अमेरिका ने एक हफ्ते में तीसरी बार संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को इजरायल-फिलिस्तीन संघर्ष पर साझा बयान जारी करने से रोक दिया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की रविवार को हुई आपात बैठक के बाद नॉर्वे, ट्यूनीशिया और चीन ने बयान पेश किया, जिसमें दोनों पक्षों से सीजफायर की मांग की गई थी,

लेकिन अमेरिका ने इसे जारी नहीं होने दिया। हालांकि, अमेरिकी दूतावास ने इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की है। इजराइल और फलस्तीन के बीच युद्ध के आठवें दिन सोमवार को अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से फोन पर बातचीत के दौरान संघर्ष विराम का समर्थन किया। बाइडन का यह कदम इस बात का संकेत है कि अमेरिका चाहता है कि हमास के साथ इजराइल का मौजूदा संघर्ष अब खत्म होना चाहिए। डेमोक्रेट और अन्य सदस्यों द्वारा इजराइल और गाजा के हमास शासकों के बीच तत्काल संघर्ष विराम की बढ़ती मांग के बीच बाइडन प्रशासन ने सोमवार को इस मुद्दे से दूरी बना ली।

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का ऐलान, हमास पर जारी रहेंगे भीषण हमले

तेलअवीव।

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ऐलान किया है कि फलस्तीनी उग्रवादी गुट हमास के खिलाफ भीषण हमले जारी रहेंगे। नेतन्याहू का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब दुनियाभर से शांति की अपील की जा रही है। हमने इस्लामिक जिहाद के एक कमांडर को मार गिराया गया है। नेतन्याहू ने कहा कि हमने हमास के नौसैनिक यूनिट को निशाना बनाया है। हम लगातार हमास की सुरंगों को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम सभी इजरायली लोगों की सुरक्षा और शांति की बहाली के लिए जब तक जरूरत होगी, अपना सैन्य अभियान जारी रखेंगे। इससे पहले गाजा पट्टी पर भारी हवाई हमले के बाद इजरायल की सेना ने कहा कि उसने चरमपंथियों द्वारा बनायी गयी सुरंगों के 15 किलोमीटर लंबे हिस्से और हमास के नौ कमांडरों के मकानों को ध्वस्त कर दिया है। वहीं, अंतरराष्ट्रीय राजनयिक, विशेष रूप से यूरोपीय संघ सप्ताह भर से चल रहे इस जंग को खत्म करने की कोशिशों में जुटे हैं। इस जंग ने अभी तक दोनों पक्षों के सैकड़ों लोगों की जान ली है। हमलों में इस्लामिक जिहाद चरमपंथी समूह के शीर्ष नेता की मौत हो गई है। इस बीच अमेरिका ने संकेत दिया है कि संघर्षविराम के लिए वह दोनों पक्षों पर कोई दबाव नहीं बनाएगा। इधर यूरोपीय संघ का कहना है कि इजरायल की सेना और फलस्तीनी चरमपंथियों के बीच जारी हिंसक संघर्ष को रोकने के अपने प्रयासों को वह दोगुना करेगा और विदेश मंत्रियों की विशेष बैठक में इसपर चर्चा होगी।

इजराइली सेना की बमबारी में चरमपंथी समूह के शीर्ष नेता की मौत, अब तक 200 से अधिक फिलिस्तीनी मारे गए

गाजा सिटी। गाजा पट्टी पर इजराइल की भीषण बमबारी जारी है। फिलिस्तीनी इलाकों पर भारी बमबारी के बाद इजराइल की सेना ने दावा किया कि उसने चरमपंथियों द्वारा बनाई गई सुरंगों के 15 किमी लंबे हिस्से और हमास के नौ कमांडरों के मकानों को ध्वस्त कर दिया है। दोनों देशों के बीच जारी संघर्ष में अब तक दोनों पक्षों के सैकड़ों लोग मारे गए हैं। ताजा हमलों में इस्लामिक जिहादी चरमपंथी समूह के गाजा के शीर्ष नेता की मौत हो गई है। ज्ञात हो कि इजराइली सेना हाल के दिनों में उसकी सीमा में दागे गए हजारों रॉकेटों में से कुछ के लिए इस समूह को जिम्मेदार मानती है। इजराइल ने कहा है कि वह गाजा पर शासन करने वाले चरमपंथी समूह हमास के खिलाफ अपने हमले फिलहाल जारी रखेगा। इस बीच अमेरिका ने संकेत दिया है कि वह संघर्ष विराम लिए दोनों पक्षों पर कोई दबाव नहीं बनाएगा।

गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, हवाई हमलों में कम से कम 200 फिलस्तीनी मारे गए हैं, जिनमें 59 बच्चे और 35 महिलाएं भी शामिल हैं, जबकि 1,300 से अधिक लोग घायल हुए हैं। दूसरी ओर, गाजा से इजराइल को निशाना बना कर दागे गए रॉकेटों की चपेट में आकर पांच साल के एक बच्चे और एक सैनिक सहित कुल आठ लोगों की मौत हुई है। पुलिस के अनुसार, इजराइल में यहूदियों और अरबों के बीच हिंसा शुरू हो गयी है, जिसमें काफी लोग घायल हुए हैं। गाजा के मेयर यह्या सराज ने अल-जजीरा टीवी को बताया कि हमलों से सड़कों और अन्य आधारभूत संरचनाओं को बहुत नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा अगर संघर्ष जारी रहा तो, हमें हालात और बिगड़ने की आशंका है। संयुक्त राष्ट्र ने पहले ही चेतावनी जारी की है कि क्षेत्र के एक एकमात्र बिजली घर में ईंधन समाप्त होने की स्थिति में है। गाजा में पहले से ही 8 से 12 घंटों की बिजली कटौती हो रही है। गाजा में आपात बचाव अधिकारी समीर अल-खातिब ने कहा मैंने अपने 14 साल के करियर में ऐसी तबाही नहीं देखी है। उन्होंने कहा 2014 के युद्ध के दौरान भी नहीं।

संक्षिप्त समाचार

कोरोना के खिलाफ भारत के साथ एकजुटता दिखा रहा अमेरिका, करेगा हर संभव मदद

-साकी ने कहा कि अमेरिका मुश्किल भरे वक्त में अपने अहम सहयोगी को मदद का काम जारी रखेगा

वाशिंगटन। अमेरिका एक अहम सहयोगी के रूप में कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में भारत की हरसंभव मदद जारी रखेगा। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने अपने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि राष्ट्रपति जो बाइडन ने भारत को 10 करोड़ डॉलर मूल्य की राहत एवं चिकित्सकीय सामग्री देने की घोषणा की है और वह सहायता कार्यक्रम से जुड़े हुए हैं। साकी ने कहा, राष्ट्रपति जाहिर तौर पर कोविड-19 महामारी और कैसे यह हमारे महत्वपूर्ण सहयोगी भारत समेत दुनिया के अन्य देशों में प्रभाव डाल रही है, उसे लेकर सजग हैं। हमने राहत और सहायता सामग्री के स्वरूप को तय किया है और राष्ट्रपति इस कार्य से गहराई से जुड़े हैं। भारत में कोविड-19 की स्थिति के बारे में पूछे जाने पर साकी ने कहा कि अमेरिका मुश्किल भरे वक्त में अपने अहम सहयोगी को मदद पहुंचाने का काम जारी रखेगा। उन्होंने कहा, हमें 10 करोड़ डॉलर मूल्य की सहायता सामग्री भेजने की उम्मीद है। हमने यूएस एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (यूएसएड) द्वारा वित्तपोषित राहत सामग्री सात विमानों से भेजी है। अतिरिक्त ऑक्सीजन सांद्रकों के साथ सातवां विमान आज पहुंच गया जो कोविड-19 से जूझ रहे मरीजों के लिए जाहिर तौर पर बेहद अहम मदद होगी।

शिकागो में इजराइल के समर्थन में भारतीय अमेरिकियों ने रैलियां कीं

-आरोप, हमास के आतंकवादियों ने इजराइल में घरों को नष्ट कर निर्दोषों को मार डाला

वाशिंगटन। हमास के साथ इजराइल के मौजूदा संघर्ष के दौरान शिकागो में बड़ी संख्या में भारतीय-अमेरिकी लोग इजराइल के समर्थन में सामने आए हैं। उन्होंने हमास पर यहूदी समुदाय के खिलाफ आतंकवादी हमले करने का आरोप लगाया। सप्ताहांत में, शिकागो क्षेत्र में भारतीय-अमेरिकियों ने यहूदी समुदाय के साथ अपनी एकजुटता दिखाने के लिए दो रैलियां कीं। भारतीय-अमेरिकी नेता डॉ भरत बराई ने कहा कि समुदाय इजराइल के लोगों के साथ खड़ा है, जिन्हें गाजा से लगातार रॉकेट हमलों से निशाना बनाया जाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि हमास के आतंकवादियों ने न केवल इजराइल में घरों को नष्ट कर दिया है और निर्दोष नागरिकों को मार डाला है बल्कि वे गाजा के लोगों को भी आतंकित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दशकों तक युद्ध का सामना करने के बाद, इजराइल और गाजा के लोग शांति से रहना चाहते हैं। अपने संबोधन में, बराई ने इजराइल का समर्थन जारी रखने के लिए हिंदू समुदाय की ठोस प्रतिबद्धता व्यक्त की और इस कठिन परिस्थिति में क्षेत्र में शांति की मांग की।

चीन में लड़कियों की कमी की वजह से 3 करोड़ युवकों के विवाह अटके

बीजिंग। दुनिया के सबसे ज्यादा आबादी वाले चीन में लड़कियों की कमी होने की वजह से 3 करोड़ युवकों के विवाह नहीं हो पा रहे हैं। देश में अविवाहित पुरुषों की संख्या कई देशों की कुल जनसंख्या के बराबर है। उल्लेखनीय है कि चीन में हर दस साल में एक बार होने वाली जनगणना से पता चला है कि देश में लगभग 3 करोड़ अविवाहित पुरुष हैं। चीन ने लंबे समय से पुरुष शिशुओं को प्राथमिकता दी जाती रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि जनगणना के नए आंकड़ों में लड़कियों की संख्या में मामूली वृद्धि के बावजूद भी चीन में लिंग अंतर का मुद्दा जल्द ही हल होने की संभावना दिखाई नहीं देती है। राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो (एनबीएस) द्वारा चीन की सातवीं राष्ट्रीय जनसंख्या जनगणना के मुताबिक, पिछले साल पैदा हुए 1.2 करोड़ बच्चों में से प्रत्येक 100 लड़कियों के लिए 111.3 लड़के थे। 2010 में यह अनुपात 118.1 से 100 था। प्रोफेसर स्टुअर्ट गिएटेन-बास्टेन बताते हैं चीनी परिवार बेटियों के बजाय बेटों की इच्छा रखते हैं। उन्होंने बताया कि चीन में, आम तौर पर पुरुष अपनी उम्र से बहुत कम उम्र की महिलाओं से शादी करते हैं, लेकिन जैसे-जैसे आबादी बढ़ती है, वैसे-वैसे और भी अधिक उम्र के पुरुष होते हैं, जिससे स्थिति और खराब होती जाती है। एक अन्य प्रोफेसर, ब्योर्न एल्परमैन ने चेतावनी दी कि जब तक जन्म लेने वाले बच्चों की उम्र शादी करने की होगी तब तक संभावित दुल्हनों की भारी कमी हो जाएगी। उन्होंने कहा पिछले साल पैदा हुए इन 1.2 करोड़ बच्चों में से 6 लाख लड़के बड़े होने पर अपनी ही उम्र का जीवनसाथी नहीं ढूंढ पाएंगे। जनसांख्यिकी के प्रोफेसर जियांग क्वानबाओ ने कहा कि चीन की एक बच्चे की नीति, 1979 में लागू की गई और 2016 में वापस ले ली गई, जिसनने लड़कों के पक्ष में लिंग-चयनात्मक गर्भपात की प्रथा को बढ़ा दिया था। इस बीच, एससीएमपी ने एनबीएस का हवाला देते हुए बताया कि चीन की प्रजनन दर प्रति महिला 1.3 बच्चे थी, जो स्थिर आबादी को बनाए रखने के लिए आवश्यक 2.1 से काफी कम है।सामाजिक जनसांख्यिकी के एक सहयोगी प्रोफेसर कै योंग ने चेतावनी दी कि शादी के बिना, निम्न वर्ग के पुरुषों को खराब शारीरिक और मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य का सामना करना पड़ेगा।

कोविड टीके पर चीन की कूटनीति, बोला-भारत के प्रस्ताव का करेगा समर्थन

-विकासशील दुनिया की मांग को पूरी तरह समझता है और उसके पक्ष में हैं

बीजिंग। वैश्विक टीका कूटनीति का सक्रिय रूप से अनुसरण कर रहे चीन ने कहा कि वह कोरोना वायरस रोधी टीकों के लिए बौद्धिक संपदा अधिकार के व्यापार संबंधी पहलुओं में अस्थायी छूट के भारत और दक्षिण अफ्रीका के प्रस्ताव का समर्थन करता है। उसने जोर दिया कि वह उन सभी कार्रवाई का समर्थन करेगा जो विकासशील देशों के महामारी के खिलाफ लड़ने में अनुकूल होंगी। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लीजान ने भारत और दक्षिण अफ्रीका के प्रस्ताव का सीधा संदर्भ दिये बिना बताया, चीन कोविड-19 टीकों के लिये बौद्धिक संपदा अधिकार में छूट की विकासशील दुनिया की मांग को पूरी तरह समझता है और उसके पक्ष में हैं। उन्होंने कहा, सबसे बड़े विकासशील देश और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के एक जिम्मेदार सदस्य के तौर पर चीन वह सबकुछ करेगा जो बायरस के खिलाफ विकासशील देशों की जंग के अनुकूल होगा तथा उन सभी कार्रवाइयों का समर्थन करेगा जिससे विकासशील देशों को न्यायसंगत तरीके से टीका हासिल करने में मदद मिल सके। देश में निर्मित पांच टीकों को आपत इस्तेमाल के लिये मंजूरी देने वाले चीन को हाल में विश्व स्वास्थ्य संगठन से अपने पहले टीके साइनोफार्म के लिये मंजूरी मिली है। झाओ ने कहा कि चीन ने 80 से ज्यादा देशों और तीन अंतरराष्ट्रीय संगठनों को टीके की सहायता उपलब्ध कराई है तथा 50 से ज्यादा देशों को टीके का निर्यात किया है। भारत और दक्षिण अफ्रीका ने पिछले साल अक्टूबर में विश्व व्यापार संगठन को लिखे पत्र में कोविड-19 टीकों से संबंधित कुछ बौद्धिक संपदा प्रावधानों में टीआरआईपीएस छूट की मांग की थी। इसके बाद से इस प्रस्ताव को अमेरिका और यूरोपीय संघ में भी समर्थन मिलना शुरू हुआ। इस महीने के शुरू में, डब्ल्युटीओ की महानिदेशक नगोजी ओकोंजा-इवेला ने सदस्य देशों से अनुरोध किया कि अति आवश्यकता को समझते हुए जल्द से जल्द एक प्रस्ताव पेश कर चर्चा करें जो अस्थायी रूप से कोविड-19 टीकों की प्रौद्योगिकी को संरक्षित करने वाले व्यापार नियमों में छूट दें।

संपादकीय

मदद और मंशा

दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा है कि राजनेताओं को जरूरी दवाओं की जमाखोरी राजनीतिक उद्देश्य से नहीं करनी चाहिए। अदालत ने कहा कि अगर वे जनता की मदद करना चाहते हैं, तो दवाओं को केंद्रीय स्वास्थ्य सेवा निदेशालय को सौंप सकते हैं, ताकि सरकारी अस्पतालों में उनका इस्तेमाल हो सके। पूर्वी दिल्ली से सांसद और पूर्व क्रिकेट खिलाड़ी गौतम गंभीर ने यह घोषणा की थी कि एंटीवायरल दवा फेविपिराविर या फैबिफ्लू उनके कार्यालय में उपलब्ध है और लोग वहां से मेडिकल परची दिखाकर इसे ले सकते हैं। दिल्ली पुलिस ने अदालत को बताया कि वह दवा जब्त कर ली गई है और उसे सीजीएचएस को सौंप दिया जाएगा। ऐसे और भी उदाहरण हैं। गुजरात भाजपा अध्यक्ष ने यह घोषणा की थी कि रेमडेसिविर इंजेक्शन सूरत में पार्टी कार्यालय में मिल सकता है। उनके विरुद्ध भी मामला गुजरात हाईकोर्ट में उठा है। महाराष्ट्र में भी कई नेताओं पर आरोप लगे कि उन्होंने रेमडेसिविर अपने रसूख से हासिल किए और बांटे। दरअसल, रेमडेसिविर इंजेक्शन की कोरोना संक्रमण में बहुत मांग है और देश भर से इसे पाने के लिए मारामारी की खबरें आ रही थीं। इसी वजह से केंद्र सरकार ने इसका वितरण अपने हाथों में ले लिया और यह तय किया कि इसे सिर्फ सरकारी तंत्र के जरिये ही बेचा जाएगा। यह राजनेताओं की जिम्मेदारी होती है कि वे मुसीबत में लोगों की यथासंभव मदद करें और तमाम नेता कमोबेश ऐसा करते भी हैं। कुछ नेता तो सचमुच मन से और पूरी ताकत से मददगार बनने की कोशिश करते हैं, कुछ काम कम करते हैं, और प्रचार ज्यादा करते हैं। इस महामारी के दौर में भी तमाम राजनेता अपने-अपने तरीके से मदद कर रहे हैं या मददगार दिखने की कोशिश कर रहे हैं। चूंकि महामारी के जोर से व्यवस्था चरमराई हुई है, संसाधनों की कमी है, इसलिए समर्थ लोगों से मदद की दरकार भी ज्यादा है। कई मददगार लोगों की कहानियां इस वक्त लोगों की जुबान पर हैं और समाज में उनके प्रति कृतज्ञता का भाव भी है। पर यही बात उन लोगों के बारे में नहीं कही जा सकती, जो दुर्लभ दवाएं बांटकर मददगार होना या दिखना चाह रहे हैं। अगर उनमें से कुछ की नीयत भली भी रही हो, तब भी उनका तरीका गलत था। जैसे, गौतम गंभीर की आलोचना होती रही कि जब दिल्ली में कोरोना का कहर जोरों पर था, तब वह आईपीएल में कमेंट्री करने में व्यस्त थे। फिर अचानक उन्होंने फैबिफ्लू बांटने का फैसला किया। यह वायरस-रोधी दवा है, पर कोरोना में इसके इस्तेमाल का कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है, न ही किसी मान्य चिकित्सा संगठन ने कोरोना में इसके इस्तेमाल को सही ठहराया है। ऐसी दवा को बांटने से मरीजों का कुछ भला नहीं होना था, और यह कानूनन भी सही नहीं था। इसके बजाय गौतम गंभीर किसी विशेषज्ञ डॉक्टर से सलाह लेकर उस पैसे को अन्य काम में लगाते, तो हर तरह से बेहतर होता। रेमडेसिविर के निजी वितरण पर सरकार जब रोक लगा चुकी थी, तब तो नेताओं को इसे बांटकर लोकप्रियता हासिल करने की कोशिश करनी ही नहीं चाहिए थी। ज्यादा अच्छा यह होता कि वे अपने रसूख का इस्तेमाल रेमडेसिविर की आपूर्ति बढ़ाने और उसका वितरण व्यवस्थित करवाने के लिए लगाते। मदद करने के और भी तरीके हैं। जो सबसे चमकीला हो, वह अक्सर सबसे अच्छा नहीं होता।

आज के ट्वीट

मुकाबला

कोरोना की इस बड़ी चुनौती का मुकाबला सब मिलकर ही कर सकते हैं। अभी हम सभी का एक ही धर्म होना चाहिए इंसानियत। ना और कोई धर्म, ना वर्ग, ना जाति, ना विचारधारा। सामने जो आए वो इंसान है और उसकी हमें सेवा करनी है। उसकी मदद करना ही हमारा धर्म है। हम सब मिलकर इस कोरोना महामारी को हराएंगे।

-- मु. अशोक गहलोत

टीके की उपलब्धि में डब्ल्यूटीओ का टंटा

भरत झुनझुनवाला

कोविड की महामारी से निजात पाने के लिए इस समय देश में प्रमुख टीका एस्ट्राजनिका द्वारा बनाया गया 'कोविशील्ड' प्रचलन में है। इसे भारत कि सीरम इंस्टीट्यूट आफ इंडिया द्वारा एस्ट्राजनिका से लाइसेंस लेकर बनाया जा रहा है। इसमें व्यवस्था है कि जिस मूल्य पर सीरम इंस्टीट्यूट इस टीके को बेचेगी, उसका आधा हिस्सा एस्ट्राजनिका को रायल्टी के रूप में दिया जायेगा। अतः यदि सीरम इंस्टीट्यूट इस टीके को 150 रुपये में केन्द्र सरकार को बेचती है तो उसमें से 75 रुपये एस्ट्राजनिका को दिये जाएंगे। यह रायल्टी इस टीके के महंगे होने का प्रमुख कारण है। सीरम इंस्टीट्यूट का कहना है कि 150 रुपये में से उसे केवल 75 रुपये मिलते हैं, जिस मूल्य पर उसके लिए कोविशील्ड का उत्पादन करना संभव नहीं है। इसलिए सीरम इंस्टीट्यूट राज्यों को 300 रुपये में इसी टीके को बेचना चाहती है, जिसमें से 150 रुपये एस्ट्राजनिका को रायल्टी के रूप में दिया जाएगा। इस विषय के दो परिणाम हैं। पहला यह कि टीका महंगा होने का प्रमुख कारण भारी मात्रा में एस्ट्राजनिका को दी जाने वाली रायल्टी है। और दूसरा विषय यह है कि चूंकि केन्द्र सरकार इस टीके को 150 रुपये में खरीद रही है, जिस पर सीरम इंस्टीट्यूट बनाकर सप्लाई करने को तैयार नहीं है, इसलिए राज्य सरकारों को 300 रुपये में इसे खरीदना पड़ रहा है। तात्पर्य यह कि राज्य सरकारों द्वारा दिए गये अधिक मूल्य के द्वारा केन्द्र सरकार को सब्सिडी दी जा रही है। यदि केन्द्र सरकार सीरम इंस्टीट्यूट को कोविशील्ड का सही मूल्य अदा कर दे तो सीरम इंस्टीट्यूट द्वारा राज्य सरकारों को भी इसे सस्ता उपलब्ध कराया जा सकता है। चूंकि महामारी की चपेट में सम्पूर्ण देश है, इसलिए टीके को उपलब्ध कराने की प्राथमिक जिम्मेदारी केन्द्र सरकार की बनती है। अतः केन्द्र सरकार को चाहिए कि सीरम इंस्टीट्यूट को उचित मूल्य दे और अपनी सस्ती खरीद का बोझ राज्यों पर वर्तमान की विकट परिस्थिति में न डाले। केंद्र सरकार की भूमिका राज्यों के संरक्षक की होनी चाहिए, न कि राज्यों के शोषक की। दूसरा विषय इस रायल्टी की मात्रा का है। 1995 में हमने विश्व व्यापार संगठन यानी डब्ल्यूटीओ की सदस्यता स्वीकार की थी। डब्ल्यूटीओ की सदस्यता का एक नियम यह था कि 'प्रोडक्ट' पेटेंट देना होगा। दो प्रकार के पेटेंट होते हैं। एक 'प्रोडक्ट' पेटेंट यानी 'माल' के ऊपर दिया गया पेटेंट, और दूसरा 'प्रोसेस' यानी बनाने की विधि पर दिया गया पेटेंट। इसे आप इस प्रकार समझें कि लोहे के सरिये को एस्ट्राजनिका ने गर्म करके पट्टी बनाई और उसे बाजार में बेचा। इसमें गर्म करना 'प्रोसेस' हुआ और पट्टी 'प्रोडक्ट' हुई। 1995 के पूर्व हमारे कानून में व्यवस्था थी कि किसी भी माल या 'प्रोडक्ट' को कोई भी व्यक्ति किसी दूसरी प्रक्रिया या 'प्रोसेस' से बना सकता है। उसी 'प्रोडक्ट' को दूसरे 'प्रोसेस' से बनाने की छूट थी। जैसे यदि एस्ट्राजनिका ने लोहे के सरिये को गर्म करके पट्टी बनाई तो दूसरा व्यक्ति उसी सरिये को हथौड़े से पीटकर पट्टी बनाने और एस्ट्राजनिका की तरह बाजार में बेचने को स्वतंत्र था। इसकी तुलना में 'प्रोडक्ट' पेटेंट में व्यवस्था होती है कि आप किसी भी प्रक्रिया या 'प्रोसेस' से उसी माल जैसे लोहे की पट्टी को नहीं बना सकते। इसलिए पूर्व में यदि एस्ट्राजनिका ने कोविशील्ड बनाई थी तो हमारे उद्यमी उसी टीके को दूसरी प्रक्रिया से बनाने को स्वतंत्र थे। कोविशील्ड को हमारे उद्यमी आज दूसरी प्रक्रिया से बनाने को स्वतंत्र नहीं हैं, चूंकि हमने डब्ल्यूटीओ के नियमों के अनुसार प्रोडक्ट पेटेंट को लागू कर दिया है। और, चूंकि हमारे उद्यमी कोविशील्ड बनाने को स्वतंत्र नहीं हैं, इसलिए हमें एस्ट्राजनिका को भारी मात्रा में रायल्टी देनी पड़ रही है और यह टीका हमारे लिए महंगा हो गया है। डब्ल्यूटीओ में व्यवस्था है कि किसी राष्ट्रीय संकट के समय सरकार को अधिकार होगा कि किसी भी पेटेंट को निरस्त करके जबरदस्ती उस माल को बनाने का लाइसेंस जारी कर दे। जैसे यदि आज भारत पर राष्ट्रीय संकट है तो भारत सरकार कोविशील्ड बनाने के लाइसेंस को जबरन खोल सकती है अथवा दूसरे उद्यमियों को इसी टीके को बनाने के लिए हस्तांतरित कर सकती है। यह चिंता का विषय है कि इतने भयंकर संकट के बावजूद भारत सरकार कम्पल्सरी लाइसेंस जारी करने में संकोच कर रही है। भारत सरकार ने डब्ल्यूटीओ में दक्षिण अफ्रीका के साथ एक आवेदन अवश्य दिया है कि सम्पूर्ण विश्व के लिए इन पेटेंट को खोल दिया जाए लेकिन स्वयं भारत सरकार आगे बढ़कर इस कम्पल्सरी लाइसेंस को जारी करने से झिझक रही है। इसके पीछे संभवतः भारत सरकार को भय है कि यदि कम्पलसरी लाइसेंस जारी किया तो सम्पूर्ण बहुराष्ट्रीय कम्पनियां हमारे विरुद्ध लामबंद हो जायेंगी। इसलिए इस बिंदु पर भारत सरकार का जो भी आकलन हो, उसका हमें आदर करना चाहिए। 1995 में डब्ल्यूटीओ संधि पर हस्ताक्षर करते समय हमें बताया गया था कि डब्ल्यूटीओ के अंतर्गत हमारे कृषि उत्पादों के लिए विकसित देशों के बाजार खुल जायेंगे और उससे हमें लाभ होगा। इसके सामने ऊपर बताये गये पेटेंट से हमें नुकसान कम होगा। लेकिन आज 25 वर्षों के बाद स्पष्ट हो गया है कि विकसित देशों ने येन केन प्रकारेण अपने बाजार को हमारे कृषि निर्यातों के लिए नहीं खोला है। इसलिए डब्ल्यूटीओ आज हमारे लिए घाटे का सौदा हो गया है। हमें खुले व्यापार का लाभ कम ही मिला है जबकि पेटेंट से हमें घाटा अधिक हो रहा है, जैसा कि कोविशील्ड के सन्दर्भ में बताया गया है। हमें आगे की सोचनी चाहिए। कोविड का वायरस म्यूटेट कर रहा है और अगले चरण में इसके नये रूप सामने आ सकते हैं। इसलिए हमें तत्काल तीन कदम उठाने चाहिये। पहला यह कि केन्द्र सरकार को सीरम इंस्टीट्यूट को कोविशील्ड खरीदने के लिए उचित दाम देना चाहिए, जिससे कि राज्यों पर अतिरिक्त बोझ न पड़े। केन्द्र सरकार की भूमिका परिवार के कर्ता यानी पिता की है और राज्य सरकार की भूमिका आश्रित यानी पुत्र की है, इसलिए केन्द्र सरकार को उचित दाम देना चाहिए। दूसरा, सरकार को तत्काल एस्ट्राजनिका ही नहीं बल्कि फाइजर और रूस के स्पूतनिक आदि तमाम टीकों के कम्पलसरी लाइसेंस जारी कर देने चाहिए ताकि हमारे देश के उद्यमी इसे पर्याप्त मात्रा में बना सकें। तीसरा, सरकार को भारत की कम्पनी भारत बायोटेक द्वारा बनाये गयी कोवैक्सीन का लाइसेंस उन्हें संतुष्ट करते हुए उचित मूल्य पर खरीदकर सम्पूर्ण विश्व के लिए खुला कर देना चाहिए ताकि सम्पूर्ण विश्व की कंपनियां कोवैक्सीन को बनाकर अपनी जनता को उपलब्ध करा सकें और हम इस संकट से उबर सकें।

लेखक आर्थिक मामलों के जानकार हैं।

ज्ञान गंगा

सत्य

जग्गी वासुदेव

यदि तुम सब तरह के पूर्वाग्रहों के साथ सुन रहे हो तो यह सुनने का गलत ढंग है। तुम्हें लगता है कि सुन रहे हो, पर तुम्हें बस सुनाई दे रहा है, तुम सुन नहीं रहे। सही सुनने का मतलब होता है मन को एक तरफ रख देना। इसका यह मतलब नहीं होता कि तुम बुद्धू हो जाते हो, कि जो कुछ भी तुम्हें कहा जा रहा है उस पर तुम विश्वास करने लगते हो। इसका विश्वास या अविश्वास से कुछ लेना-देना नहीं है। सही सुनने का मतलब है, 'अभी मेरा इससे कुछ लेना-देना नहीं है कि इस पर मैं विश्वास करूं या ना करूं। इस क्षण राजी होने या ना राजी होने की कोई बात ही नहीं है। जो कुछ भी है उसे सुनने का मैं प्रयास कर रहा हूं। बाद में मैं तय कर सकता हूं कि क्या सही और क्या गलत है। तय कर सकता हूं कि अनुसरण करना है या अनुसरण नहीं करना है।' तुम बिना पूर्वाग्रह के सुन सको तो तुम्हारा हृदय कहेगा कि यह सत्य है। यदि वह सत्य है तो तुम्हारे हृदय में घंटियां बजने लगती हैं। वह सत्य नहीं है, तुम अछूते बने रहोगे, उदासीन, विरक्त। यह सत्य का गुण है कि यदि तुम उसे खुले हृदय से सुनो, यह तत्काल तुम्हारी चेतना में प्रतिसाद पैदा करता है-तुम्हारा केंद्र ऊपर उठने लगता है। तुम्हारे पंख उगने लगते हैं; अचानक सारा आकाश खुल जाता है। यह बात तार्किक ढंग से तय करने की नहीं है कि जो कहा जा रहा है वह सत्य है या असत्य है। ठीक इससे उल्टा, यह सवाल तो प्रेम का है, न कि तर्क का। सत्य तत्काल तुम्हारे हृदय में प्रेम पैदा करता है; तुम्हारे अंदर बड़े रहस्यात्मक ढंग से कुछ छिड़ जाता है। लेकिन यदि तुम जो है उसे गलत ढंग से सुनते हो, मन से पूरे भरे हुए, तुम्हारे सारे कचरे से भरे, तुम्हारी सारी जानकारी से भरे हुए-तब तुम अपने हृदय को सत्य का प्रतिसंवेदन नहीं करने दोगे। तुम बहुत बड़ी संभावना से चूक जाओगे, तुम समस्वरता को चूक जाओगे। तुम्हारा हृदय सत्य के अनुकूल होने को तैयार था..वह सिर्फ सत्य के अनुकूल होता है, इसे याद रखो, यह कभी भी असत्य को प्रतिसंवेदित नहीं करता। असत्य के साथ यह पूरा मौन रहता है, बिना जवाब दिए, निर्विकार, बिना हिले बना रहता है। सत्य के साथ यह नाचने लगता है, यह गाने लगता है, ऐसे जैसे कि अचानक सूरज उग गया और काली अंधेरी रात समाप्त हो गई, और तब पक्षी गाने लगते हैं और कमल खिलने लगते हैं और सारी धरती जाग जाती है।

आज का राशिफल

मेष संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यावसायिक समस्याएं रहेंगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। जीविका की दिशा में प्रगति होगी। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी।

वृषभ पारिवारिक जनों के साथ सुखद समाचार मिलेगा। जारी प्रयास सफल होंगे। खानपान में संयम रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मिथुन व्यावसायिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। पराक्रम में वृद्धि होगी।

सिंह पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आर्थिक दिशा में प्रगति होगी। वाणी की सौम्यता प्रतिष्ठा में वृद्धि करायेगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। धन लाभ के योग हैं।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। अनावश्यक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। राजनैतिक दिशा में चल रहा प्रयास सफल होगा।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती है। स्वास्थ्य शिथिल रहने की संभावना है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

वृश्चिक दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। आर्थिक प्रयास फलीभूत होंगे। व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

धनु व्यावसायिक योजना सफल होगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मकर बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलायेगी।

न्यायिक व्यवस्था भी गहरे तक प्रभावित

अनूप भटनागर

पूरी दुनिया को प्रभावित करने वाली कोविड-19 वैश्विक महामारी ने चिकित्सा सुविधाओं से लेकर पुलिस प्रशासन और आम नागरिकों को अपने अदृश्य दंश से अछूता नहीं छोड़ा है। देश की न्यायपालिका भी इसका अपवाद नहीं रही। इस महामारी की वजह से शीर्ष अदालत से लेकर निचली अदालतों और न्यायिक अधिकरणों का काम बुरी तरह प्रभावित रहा। न्यायपालिका ने आवश्यक मुकदमों की वीडियो कानफ्रेंसिंग के माध्यम से सुनवाई की और जनता को अनेक मामलों में राहत देने का प्रयास किया, परंतु इसके बावजूद लंबित मुकदमों की संख्या में बहुत ज्यादा वृद्धि हुई है। न्यायालय ने हालांकि कोरोना संक्रमण के दौरान सीमित संख्या में मुकदमों की सुनवाई करते हुए महाराष्ट्र में मराठा समुदाय के लिये शैक्षणिक संस्थाओं में प्रवेश और राज्य सरकार की नौकरियों में आरक्षण विवाद पर अपना फैसला सुना दिया है। यह दीगर बात है कि केन्द्र सरकार ने इस फैसले के एक हिस्से पर न्यायालय से पुनर्विचार का अनुरोध किया है। शीर्ष अदालत के तमाम प्रयासों के बावजूद आज भी यहां नागरिकता संशोधन कानून की संवैधानिकता, अनुच्छेद 370 के कुछ प्रावधानों को खत्म करने की संवैधानिकता को चुनौती देने वाली याचिकाओं के साथ ही धार्मिक स्थलों में महिलाओं के प्रवेश, मस्जिदों में महिलाओं के प्रवेश और दाऊदी समुदाय में महिलाओं का खतना करने जैसे अनेक महत्वपूर्ण मुकदमों की सुनवाई कारगर तरीके से आगे नहीं बढ़ सकी। शीर्ष अदालत के साथ ही उच्च न्यायालयों ने कोरोना काल के दौरान कामगारों के पलायन से उत्पन्न स्थिति और इस संक्रमण की दूसरी लहर के दौरान देश के अनेक राज्यों में ऑक्सीजन और दवाओं के संकट का स्वतः संज्ञान लिया और केन्द्र तथा राज्य सरकारों को उनकी जिम्मेदारियों से आगाह किया। न्यायपालिका की इस सक्रियता के बावजूद कोरोना काल से प्रभावित वकीलों ने बार काउंसिल ऑफ इंडिया और अपने राज्यों के बार संगठनों से आर्थिक मदद की गुहार भी की है। इन संगठनों ने उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर की है। दूसरी ओर, कोरोना के कहर ने न्यायपालिका का सामान्य कामकाज प्रभावित किया है। इस स्थिति से निपटने के लिये हालांकि उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों ने ऑनलाइन फाइलिंग व्यवस्था शुरू की लेकिन देश के सभी अधिवक्ताओं के लिये इस सुविधा का लाभ उठा पाना संभव नहीं है। फिलहाल इस संकट का अंत नजर नहीं आ रहा है और यही वजह है कि उच्चतम न्यायालय से लेकर निचली अदालतों तक में लंबित मुकदमों की संख्या में इजाफा हुआ है। ऐसा लगता है कि केन्द्र सरकार, राज्य सरकार और न्यायपालिका को न्यायाधीशों और न्यायिक अधिकारियों के रिक्त पदों को भरने के लिए युद्धस्तर पर सक्रिय होना पड़ेगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार इस समय देश की अदालतों में 4,43,24,488 से ज्यादा मामले लंबित हैं। इनमें उच्चतम न्यायालय में लंबित मुकदमों की संख्या 67,898 और उच्च न्यायालयों में लंबित मुकदमों की संख्या 58,05,006 है जबकि निचली अदालतों में 3,84,51,584 मुकदमे लंबित हैं। इसी तरह, न्यायपालिका में न्यायाधीशों और न्यायिक अधिकारियों के बड़ी संख्या में पद रिक्त हैं। शीर्ष अदालत और सरकार के बीच न्यायाधीशों की नियुक्तियों से संबंधित ज्ञापन को लेकर चल रही खींचातानी का नतीजा है कि उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों के स्वीकृत 34 पदों में से सात और उच्च न्यायालयों में स्वीकृत 1080 पदों में से 420 पद रिक्त हैं। इसी तरह, अधीनस्थ अदालतों में स्वीकृत 24,247 पदों में से अभी भी 4,928 पद रिक्त हैं। यह स्थिति न्यायाधीशों, न्यायिक अधिकारियों तथा अदालत के कर्मचारियों के कोरोना संक्रमण से प्रभावित होने की वजह से ज्यादा गंभीर हो गयी है। प्रधान न्यायाधीश एनवी रमण ने हाल ही में यह जानकारी दी है कि कोरोना संक्रमण की चपेट में आने के कारण उच्च न्यायालयों के कम से कम तीन न्यायाधीश और 34 न्यायिक अधिकारियों की मृत्यु हो चुकी है। इस दौरान उच्चतम न्यायालय के एक न्यायाधीश एमएम शांतनागौदर का भी निधन हो गया। यही नहीं, कोरोना काल में उच्च न्यायालयों के 106 न्यायाधीश, 2768 न्यायिक अधिकारी और उच्चतम न्यायालय की रजिस्ट्री के करीब 800 कर्मचारी भी इस संक्रमण के शिकार हुए। इनमें न्यायालय के कम से कम छह रजिस्ट्रार और 10 अतिरिक्त रजिस्ट्रार भी शामिल रहे हैं। उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश धनन्जय वाई चन्द्रचूड़ भी तमाम सावधानियों के बावजूद इसकी चपेट में आ गये। उम्मीद की जानी चाहिए कि देश को कोरोना महामारी से जल्द ही मुक्ति मिलेगी और केन्द्र तथा राज्य सरकारें जनता को शीघ्र न्याय दिलाने के लिये न्यायपालिका में रिक्त पदों पर यथाशीघ्र नियुक्तियां करेंगी।

लॉ
सिर्फ वकालत ही नहीं करियर के लिए और भी हैं अवसर

बारहवीं पास करने के बाद छात्रों के सामने लॉ में भी करियर बनाने का विकल्प होता है। कानूनी पेशा युवाओं के बीच बीते कुछ वर्षों में काफी लोकप्रिय हुआ है। चुनौतियों से भरा होने के बावजूद यह पेशा करियर की दृष्टि से एक आकर्षक विकल्प है। कानून से जुड़ी पेचिदगियों और विस्तृत होते समाज के बीच वकीलों की भूमिका बेहद अहम हो गई है। उनका महत्व तब और भी बढ़ जाता है, जब समाज में तेजी से कानूनी प्रक्रियाओं और अपने अधिकारों के प्रति जागरूकता आ रही हो। लगभग हर दिन कोई न कोई नया आविष्कार या तकनीकी विकास होता है, इस कारण समय-समय पर सरकार को नए कानून बनाने या पूर्व प्रचलित कानूनों में संशोधन करने की जरूरत पड़ती है। परिणामस्वरूप नए कानूनों की जद में आने वालों के लिए पेशेवर कानूनी सलाह लेना जरूरी हो जाता है। इस वजह से भी वकीलों यानी लॉयर की मांग में कई गुना वृद्धि हुई है।

कौन हैं लॉयर
प्रतिष्ठित शब्दकोशों के मुताबिक लॉयर वह व्यक्ति है, जो कानूनी दांवपेचों को जानने और समझने में कुशल हो। एक अन्य परिभाषा पर गौर करें, तो लॉयर किसी सरकार या उसकी एजेंसी द्वारा अधिकृत वह व्यक्ति होता है, जो लॉ की प्रैक्टिस करने के अलावा अपने क्लाइंटों को कानूनी मुद्दों पर सलाह देने का कार्य करता है। किसी आम व्यक्ति की दृष्टि से देखें, तो लॉयर वह व्यक्ति है, जो किसी व्यवस्था (खासकर वैधानिक) की खामियों को तलाशने में दक्ष होता है।

लॉयर का काम
कानून के ये पेशेवर अपने क्लाइंट के लिए वकील और सलाहकार (एडवाइजर) की भूमिका निभाते हैं। दीवानी (सिविल) या फौजदारी (क्रिमिनल) मामलों में ये वादी (कम्प्लेनेंट) या प्रतिवादी (डिफेंडेंट) का संबंधित अदालतों में पक्ष रखते हैं। वह अदालत में अपने क्लाइंट की ओर से मुकदमा दायर करते हैं और उसके पक्ष को लेकर बहस भी करते हैं। वह किसी मामले विशेष के लिए कानूनी स्थितियों को स्पष्ट भी करते हैं। एडवाइजर या सॉलिसिटर के रूप में वह अपने क्लाइंट को परामर्श देते हैं कि उनके (क्लाइंट के) मामले से संबंधित तथ्यों पर कौन-सा कानून किस तरह लागू होगा। अदालत में मामला पहुंचने पर सॉलिसिटर संबंधित मामले की पैरवी करने वाले वकील को जरूरी सलाह भी देते हैं।

कैसे बनें वकील
लॉ की पढ़ाई के बाद शुरुआती दौर में किसी वकील के साथ जूनियर असिस्टेंट के रूप में काम करना होता है। इस दौरान फाइलिंग, रिसर्च, अदालतों से तारीख लेना, नियोक्ता वकील के साथ अदालत की कार्यवाही में हिस्सा लेना और केस ड्राफ्ट करना (मुकदमे के कागजात तैयार करना) आदि काम करने पड़ते हैं। वकालत से जुड़ी इन बुनियादी चीजों को समझने के बाद स्वतंत्र रूप से वकील के रूप में काम शुरू किया जा सकता है।

कैसे बनें सॉलिसिटर
इसके लिए आर्टिकलशिप या पढ़ाई के दौरान किसी सॉलिसिटर फर्म में जूनियर के रूप में काम किया जा सकता है। यहां भी जूनियर को वकालती पेशे से जुड़े रोजमर्रा के काम (मसलन केस को पढ़ना, सूट फाइल करना और नोटिस तैयार करना आदि) करने होते हैं। इस दौरान जूनियर को अपने वरिष्ठों के मार्गदर्शन में तरह-तरह के कानूनों (लेबर, टैक्सेशन और इंडस्ट्रियल लॉ आदि) से संबंधित मामलों को समझने का मौका मिलता है। कुछ वर्षों के अनुभव के बाद जूनियर अपने वरिष्ठों के समान ही दक्ष हो जाते हैं। इसके बाद वह किसी भी सॉलिसिटर फर्म में सॉलिसिटर बन सकते हैं। मौजूदा वक्त में लॉ ग्रेजुएट के लिए भरपूर संभावनाएं हैं। वह एडवोकेट के रूप में किसी न्यायालय में प्रैक्टिस करने के अलावा किसी कॉर्पोरेट फर्म के लिए भी काम कर सकते हैं। इसी तरह राज्यों के लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित की जाने वाली न्यायिक सेवा परीक्षा को पास करके जज भी बना सकता है। वकालत का लंबा अनुभव होने पर सॉलिसिटर जनरल या पब्लिक प्रोसिक्यूटर बनने का भी अवसर होता है। इसी अनुभव की बदौलत सरकारी विभागों और मंत्रलयों में भी काम हासिल करना संभव होता है। इतना ही नहीं लॉयर बनकर किसी फर्म या ऑर्गनाइजेशन में लीगल एडवाइजर या लीगल काउंसिल के रूप में भी काम किया जा सकता है। इसके अलावा उनके पास टैक्स, एक्साइज, पेटेंट, लेबर और इंवायरन्मेंटल लॉ आदि से संबंधित लीगल कंसल्टेंसी फर्मों में काम करने का भी विकल्प होता है। वह विभिन्न ट्रस्टों के लिए ट्रस्टी के रूप में और प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया संगठनों में लीगल रिपोर्टर के रूप में भी काम कर सकते हैं। लॉ पेशेवरों के पास लॉयर बनने के इतर भी करियर के लिहाज से कई विकल्प होते हैं। वह लॉ कॉलेजों और स्कूलों में लेक्चरर या असिस्टेंट प्रोफसर बनकर अध्यापन कर सकते हैं। इतना ही नहीं वह राजनीति में भी उतर सकते हैं, क्योंकि काम के सिलसिले में उनका काफी लोगों से संपर्क रहता है।

योग्यता
छात्र अपनी सुविधा के अनुसार लॉ के तीन वर्षीय या पांच वर्षीय बैचलर डिग्री पाठ्यक्रम में से किसी एक को अध्ययन के लिए चुन सकते हैं। तीन वर्षीय पाठ्यक्रम में प्रवेश ग्रेजुएशन के बाद मिलता है, जबकि पांच वर्षीय पाठ्यक्रम में दाखिला बारहवीं के बाद होता है। देश के जिन विश्वविद्यालयों में लॉ का तीन वर्षीय पाठ्यक्रम उपलब्ध है, वहां संबंधित संस्थान द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा के जरिए दाखिले होते हैं। पांच वर्षीय पाठ्यक्रम की दाखिला प्रक्रिया को देखें, तो देश की 14 नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी इसके लिए क्लैट (कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट) नाम से प्रवेश परीक्षा का आयोजन करती हैं। इस परीक्षा में 50 फीसदी अंकों के साथ बारहवीं पास हुए छात्र आवेदन कर सकते हैं। परीक्षा में इंग्लिश, जनरल नॉलेज, मैथमेटिकल एबिलिटी, लीगल एप्टिटयूड और लॉजिकल रीजनिंग से प्रश्न पूछे जाते हैं। देश के कई अन्य विश्वविद्यालयों में भी लॉ में पांच वर्षीय पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। दाखिले के लिए ये सभी संस्थान अपने स्तर पर प्रवेश परीक्षाएं आयोजित करते हैं।
लॉ में बैचलर डिग्री पाने के बाद एलएलएम और पीएचडी भी किया जा सकता है। इससे शिक्षण के क्षेत्र में जाने में मदद मिलेगी। अगर आप किसी किसी कानून विशेष में स्पेशलाइजेशन करना चाहते हैं, तो पीजी डिग्री और पीजी डिप्लोमा स्तर पर स्पेशलाइजेशन के लिए कई विकल्प उपलब्ध हैं।

पाठ्यक्रमों का नियमन
देश में एलएलबी पाठ्यक्रमों का नियमन बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) करता है। इसके अलावा देश में वकालत के लिए जरूरी दिशा-निर्देशों और नियमों को तय करने का कार्य भी बीसीआई करता है।

जरूरी गुण
- बेहतर संवाद कौशल
- अच्छी याददाश्त
- त्वरित प्रतिक्रिया देने का सामर्थ्य
- तार्किकता और चीजों का विश्लेषण करने में दक्षता
- ध्यान से बातों को सुनने का धैर्य
- दायरों को पार जाकर सोचने का हुनर
- कानूनी पहलुओं की बेहतर जानकारी
- समर्पण के साथ कड़ी मेहनत करने का जज्बा

उपलब्ध पाठ्यक्रम
- एलएलबी, अवधि – तीन वर्ष
- बीए एलएलबी (ऑनर्स), अवधि – पांच वर्ष
- बीएससी एलएलबी (ऑनर्स), अवधि – पांच वर्ष
- बीकॉम एलएलबी (ऑनर्स), अवधि – पांच वर्ष
- एलएलएम पीएचडी

संबंधित संस्थान
- नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु
- गुजरात नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी
- सिंबायोसिस सोसायटीज लॉ कॉलेज, पुणे
- नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, जोधपुर
- नल्सर यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ, हैदराबाद
- नेशनल लॉ इंस्टीटयूट यूनिवर्सिटी, भोपाल
- फैकल्टी ऑफ लॉ, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली
- बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी, वाराणसी
- नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ ज्यूरिडिकल साइंसेज, कोलकाता
- अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी
- गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी, दिल्ली

होम साइंस में भी संभव है बेहतर कॅरियर और रोजगार की तलाश

दसवीं या बारहवीं पास करने वाले छात्रों के लिए साइंस, कॉमर्स और ह्यूमेनिटीज स्ट्रीम के बाद होम साइंस के रूप में एक और विकल्प होता है। करियर के लिहाज से यह विकल्प छात्रों और अभिभावकों के बीच बहुत ज्यादा चर्चित नहीं है। इसकी वजह कुछ गलत धारणाएं हैं, जो होम साइंस स्ट्रीम में मौजूद अवसरों की जानकारी न होने से छात्रों और अभिभावकों में बनी हैं। आज के कॉलम में पढ़िए होम साइंस स्ट्रीम और उससे जुड़े तरक्की के आयामों के बारे में।

क्या है होम साइंस स्ट्रीम
यह एक ऐसी स्ट्रीम है, जिसे भ्रांतिवश सही संदर्भो में न समझकर सिर्फ लड़कियों के लिए मान लिया जाता है। काफी अभिभावक लड़कियों की शिक्षा को जरूरी मानते हैं, लेकिन वह इससे भी ज्यादा अहमियत इस बात को देते हैं कि लड़कियां घर और उसके कामकाज को संभालन में ज्यादा कुशल हों। होम साइंस की पढ़ाई में होम मैनेजमेंट के प्रशिक्षण के अलावा कई तरह के रोजगारों में उपयोगी कौशल का भी प्रशिक्षण दिया जाता है। इसलिए यह कहना ठीक नहीं है कि यह स्ट्रीम सिर्फ लड़कियों के लिए ही उपयोगी है। इस स्ट्रीम के तहत मिलने वाले प्रशिक्षण का लाभ लड़के भी रोजगार कुशलता (इंप्लॉयबिलिटी स्किल) बढ़ाने में कर सकते हैं। बदलती सामाजिक परिस्थितियों में घर और पारिवारिक जीवन के कल्याण और उनकी देखरेख के लिए आधुनिक ढंग और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से युक्त होम मैनेजमेंट जरूरी है। इस जरूरत को पूरा करने की शिक्षा और उपयोगी प्रशिक्षण देने का कार्य होम साइंस करता है। यह 'बेहतर जीवनशैली' पर केंद्रित शिक्षा है और इसकी अवधारणा का मूल बिंदु पारिवारिक पारिस्थितिकी (इकोसिस्टम) का निर्माण है।

होम साइंस का विषय क्षेत्र
इस स्ट्रीम के पाठ्यक्रम में साइंस और ह्यूमेनिटीज के विषय भी शामिल होते हैं। इस कारण इस स्ट्रीम का अध्ययन क्षेत्र काफी व्यापक होता है। इसमें केमिस्ट्री, फिजिक्स, फिजियोलॉजी, बायोलॉजी, हाइजिन, इकोनॉमिक्स, रूरल डेवलपमेंट, चाइल्ड डेवलपमेंट, सोशियोलॉजी एंड फैमिली रिलेशन्स, कम्यूनिटी लिविंग, आर्ट, फूड, न्यूट्रिशन, क्लॉथिंग, टेक्सटाइल्स और होम मैनेजमेंट आदि विषय शामिल होते हैं।

10वीं के बाद है उपलब्ध
विषय के रूप में होम साइंस सीबीएसई और ज्यादातर राज्य बोर्डो में 11वीं और 12वीं कक्षा के स्तर पर उपलब्ध है। कॉलेज के स्तर पर इस विषय की उपलब्धता को देखें, तो यह देश के काफी विश्वविद्यालयों में तीन वर्षीय बैचलर डिग्री पाठ्यक्रम के रूप में पढ़ाया जा रहा है। इस विषय के साथ बीए या बीएससी डिग्री हासिल की जा सकती है। होम साइंस में ग्रेजुशन के बाद इस विषय में मास्टर डिग्री की पढ़ाई करने के अलावा फैशन डिजाइनिंग, डाइटिटिक्स, काउंसलिंग, सोशल वर्क, डेवलपमेंट स्टडीज, इंटरप्रिन्योरशिप, मास कम्यूनिकेशन और कैटरिंग टेक्नोलॉजी आदि विषयों में भी पोस्ट ग्रेजुएशन किया जा सकता है। इस विषय के छात्रों के पास बीएड करने का भी विकल्प रहता है।

होम साइंस के प्रमुख क्षेत्र
- फूड एंड न्यूट्रिशन
- रिसोर्स मैनेजमेंट
- ह्यूमन डेवलपमेंट
- फैब्रिक एंड अपेरल साइंस
- कम्यूनिकेशन एंड एक्सटेंशन

इन क्षेत्रों के अलावा कुछ अन्य विषय भी होम साइंस के पाठ्यक्रमों में शामिल होते हैं। इनमें से कुछ इस प्रकार हैं–इंटरप्रिन्योरशिप, फैमिली लाइफ एजुकेशन, चाइल्ड डेवलपमेंट, टेक्सटाइल डिजाइनिंग, होम इकोनॉमिक्स, माइक्रोबायोलॉजी, पर्सनालिटी डेवलपमेंट, फूड प्रिजर्वेशन और फैशन डिजाइनिंग।

उपलब्ध पाठ्यक्रम
डिप्लोमा इन होम साइंस 'बीएससी (होम साइंस) 'बीएससी (ऑनर्स) होम साइंस बीएचएससी 'बीएससी (ऑनर्स)फूड एंड न्यूट्रिशन 'बीएससी (ऑनर्स) ह्यूमन डेवलपमेंट
एमएससी (होम साइंस) 'पीएचडी

जरूरी गुण
विश्लेषणात्मक सोच 'प्रायोगिक और तार्किक दृष्टिकोण 'वैज्ञानिक सूझबूझ 'चीजों को व्यवस्थित करने का हुनर – सौंदर्यबोध और रचनाशीलता
- प्रभावी संवाद कौशल
- विवेक के साथ घरेलू जुड़े कार्यों को करने में रुझान हो
- संतुलित नजरिया

रोजगार के मौके
- टेक्सटाइल के क्षेत्र में मर्चेडाइजर या डिजाइनर
- हॉस्पिटल और खाद्य क्षेत्र में न्यूट्रिशनिस्ट या डाइटिशियन
- टूरिस्ट रिजोर्ट, रेस्टोरेंट और होटल में हाउस कीपिंग कार्य की देखरेख
- शैक्षणिक या कामकाजी संस्थानों में कैंटरिंग सुविधा देने का कार्य
- खाद्य उत्पादों के निर्माण और विकास कार्यों का पर्यवेक्षण
- रिसोर्स मैनेजमेंट
- फैमिली काउंसलर
- सोशल वर्क और ह्यूमन डेवलपमेंट
- अनुसंधान और शिक्षण कार्य
- टेक्सटाइल, फूड, बेकिंग और कंफेक्शनरी के क्षेत्र में स्वरोजगार

संबंधित संस्थान
- दिल्ली यूनिवर्सिटी, दिल्ली
- यूनिवर्सिटी ऑफ बॉम्बे, मुंबई
- आचार्य एनजी रंगा एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, हैदराबाद
- इलाहाबाद एग्रीकल्चरल इंस्टीटयूट, इलाहाबाद
- चंद्रशेखर आजाद यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी, कानपुर
- यूनिवर्सिटी ऑफ कैलकटा, कोलकाता
- राजस्थान एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, बीकानेर
- राजेंद्र एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, पूसा
- नरेंद्र देव यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी, फैजाबाद
- गोविंद बल्लभ पंत यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी, पंतनगर
- महाराणा प्रताप यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी, उदयपुर
- सीएसके हिमाचल प्रदेश एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, पालमपुर

कॉलेज लाइफ का हिस्सा बनने से जुड़ी अनुभूति बेहद खास होती है। इस अहसास को शब्दों में बयां करना काफी मुश्किल है। हर छात्र में कॉलेज के पहले दिन को लेकर एक उत्साह होता है। लेकिन इसके साथ ही छात्रों के मन में रैगिंग से जुड़ा एक डर भी होता है। इसकी वजह रैगिंग से जुड़ी वे घृणित और अमानवीय घटनाएं होती हैं, जिनकी सूचना उन्हें अखबारों, समाचार चैनलों या अपने दोस्तों से मिली होती है।

रैगिंग से घबराएं नहीं
हिम्मत से करें मुकाबला

रैगिंग को आमतौर पर पुराने छात्रों द्वारा कॉलेज लाइफ में नए छात्रों के स्वागत का दोस्ताना तरीका माना जाता है। एक रूप में इसे नए छात्रों और पुराने छात्रों के बीच की दूरियों को पाटने का प्रयास भी माना जाता है, जो नए छात्रों को अपने वरिष्ठों (सीनियर्स) के साथ घुलने-मिलने और संवाद कायम करने का मौका देता है। हालांकि बीते कुछ वर्षों में सामने आए कई मामलों ने इसे मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न के माध्यम के रूप में कुख्यात कर दिया है।

कॉलेज के पहले दिन
अच्छे मिजाज और खुले दिमाग के साथ कॉलेज में पहले दिन की शुरुआत करें। अगर वरिष्ठ आपसे कोई मजाकिया या दिमागी सवाल पूछें, आपको कोई सामूहिक काम सौंपें, नाचने या गाने को कहें, तो उनकी बातों को सहजता से मान लें। इनमें से कई चीजें आपके लिए सामाजिक रूप से चुनौतीपूर्ण होंगी, लेकिन इनसे आपको अपने कंफर्ट जोन से बाहर कदम बढ़ाने में मदद मिलेगी। यह आपके लिए एक अनुभव जैसा होगा, जो आपको सिखाएगा कि नई तरह की चुनौतियों के दबाव से कैसे निपटा जाता है। कुछ वरिष्ठ आपको ऐसे भी मिल सकते हैं, जो आपके सामने अपनी वरिष्ठता जताने की कोशिश करेंगे, ऐसी स्थिति का सहज रहते हुए अपने विवेक के सहारे सामना करें। इस दौरान अगर आपको महसूस हो कि वह (वरिष्ठ छात्र) मर्यादा की सीमाएं लांघ रहे हैं, तो तत्काल वहां से हट जाएं। एक बात हमेशा ध्यान में रखिए कि किसी कार्य को करने के लिए कोई भी आपको मजबूर नहीं कर सकता है। इसी तरह किसी की बात पसंद न आने पर आपको उस जगह से जाने से भी कोई नहीं रोक सकता है। अगर कोई आपकी इच्छा के विरुद्ध आपको जबरदस्ती कुछ करने के लिए मजबूर करता है, तो चुप मत रहिए, तत्काल अपने कॉलेज प्रशासन को अपने साथ हुए व्यवहार की शिकायत कीजिए। हर कॉलेज के परिसर में एक एंटी-रैगिंग स्क्वाड होता है, जो गलत ढंग से छात्रों के साथ की जाने वाली रैगिंग पर नजर रखने और दोषियों के खिलाफ उपयुक्त कार्रवाई करने के लिए जिम्मेदार होता है। ऐसी स्थिति में आप कॉलेज प्रशासन द्वारा स्थापित किए गए हेल्पलाइन नंबरों पर भी मदद के लिए संपर्क कर सकते हैं।

रैगिंग से बचने के कुछ तरीके
अगर कोई आपके साथ मारपीट करता है, तो खुद मारपीट में उलझने की बजाए इस स्थिति से खुद को बचाने के लिए वहां से भागने की कोशिश करें। फिर कॉलेज के शिक्षकों या प्रशासनिक अधिकारियों को घटना के बारे में सूचित करके मदद मांगें।

सभी के साथ सहज व्यवहार करें और खुद को कहीं से भी डरा हुआ या अजनबी महसूस न होने दें। इसी के साथ यह भी जरूरी है कि आप खुद को अति आत्मविश्वासी और ज्यादा तेज भी न दिखाएं।

कॉलेज में किसी परिचित (दोस्त, रिश्तेदार या कोई करीबी व्यक्ति) को तलाशने की कोशिश करें, जो कॉलेज के माहौल में ढलने में आपकी मदद कर सके।

लोगों और अपने सहपाठियों के साथ बात करने में सावधानी बरतें। कोई ऐसी बात न करें, जो तार्किक रूप से गलत हो मसलन किसी शहर, धर्म या जाति आदि से संबंधित लोगों को तुच्छ बताना। इसी तरह बातचीत के क्रम में शब्दों के इस्तेमाल पर भी खास ध्यान दें, क्योंकि बिना किसी दुर्भावना के कही गई सामान्य से सामान्य बात को भी लोगों द्वारा तोड़-मरोड़कर गलत अर्थों में पेश किया जा सकता है। अगर कभी गलती से आप ऐसी किसी स्थिति में फंस जाएं, तो लोगों के बीच आपसी संवाद को बढ़कर स्थिति को सामान्य करने की कोशिश करें।

दाखिला लेने से पहले कॉलेज के बारे में ज्यादा से ज्यादा जानने की कोशिश करें। अगर उसमें रैगिंग से जुड़े मामलों की ज्यादा संख्या के बारे में पता चले, तो किसी और कॉलेज में प्रवेश लेने के विकल्प के बारे में भी सोचें।

रैगिंग होने पर क्या करें
अपने अभिभावकों को सूचित करें। यह मत सोचें कि जो हुआ वह चलता रहता है और उसके बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं है।
कॉलेज में शिकायत करें।
अपने दोस्तों को अपने साथ हुई घटना के बारे में बताएं।

बिटकॉइन और डॉगक्वाइन को टक्कर देगी फेसबुक की क्रिप्टोकरेंसी दिएम

नई दिल्ली (एजेंसी)।

फेसबुक अपनी क्रिप्टोकरंसी को इसी साल लॉन्च करेगी और इसका नाम दिएम होगा। सन 2019 में फेसबुक ने इस क्रिप्टोकरंसी को लिब्रा नाम से लॉन्च करने की मंशा जताई थी, लेकिन अब इसका नाम बदल दिया गया है। दिएम के जरिए फेसबुक फिनटेक स्पेस में क्रांति करना चाहती है और कंपनी का कहना है कि इस क्रिप्टोकरंसी से पैसे ट्रान्सफर करना उतना ही आसान होगा, जितना कि फोटो भेजना। फेसबुक की ओर से यह घोषणा ऐसे समय में की गई है, जब बिटकॉइन की कीमत लगातार नीचे आ रही है। टेस्ला के मालिक एलन मस्क द्वारा फिलहाल बिटकॉइन के जरिए टेस्ला कारों की खरीद रोके जाने के ऐलान के बाद से बिटकॉइन की कीमतों को झटका लगा है। मस्क ने इस फैसले के पीछे वजह दी है कि बिटकॉइन माइनिंग में बेहद ज्यादा एनर्जी की खपत होती है, जो पर्यावरण के लिए ठीक नहीं है। दिएम क्रिप्टोकरंसी को दो सेट में लॉन्च किए जाने की खबर है। इनमें से एक मल्टी करंसी कॉइन होगा और दूसरे सेट की डॉलर व यूरो में एक विशिष्ट फेस वैल्यू होगी। दिएम के जरिए मनी ट्रान्सफर पर ट्रान्सफर फीस काफी कम रहेगी, जिससे ज्यादा संख्या में लोग इस करंसी की ओर आकर्षित हों। फेसबुक अपने डिजिटल करंसी प्रॉजेक्ट ग्रुप दिएम एसोसिएशन के साथ मिलकर दिएम को लॉन्च करेगी।

रुपए में लगातार तीसरे दिन तेजी, 17 पैसे और मजबूत हो प्रति डॉलर 73.05 पर

मुंबई: वैश्विक स्तर पर डॉलर के कमजोर होने तथा घरेलू शेयर बाजार में तेजी के बीच विदेशी विनिमय बाजार में रुपए में लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में तेजी रही और मंगलवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपए की विनिमय दर 17 पैसे की मजबूती के साथ 73.05 (अनंतिम) पर बंद हुई। अंतरबैंक विदेशी विनिमय बाजार में डॉलर सुबह 73.24 रुपए पर खुला। दिन में यह 72.95 के उच्च स्तर और 73.18 के निम्न स्तर को छूने के बाद अंत में रुपए की विनिमय दर पिछले बंद के मुकाबले 17 पैसे की मजबूती के साथ 73.05 प्रति डॉलर पर बंद हुई। सोमवार को डॉलर का बंद भाव 73.22 था। पिछले तीन कारोबारी सत्रों में रुपए में कुल मिला कर 37 पैसे की मजबूती आई है। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के समक्ष डालर की तुलनात्मक स्थिति दर्शाने वाला डालर सूचकांक 0.40 प्रतिशत गिरकर 89.80 पर था। घरेलू शेयर बाजार में बीएसई सेंसेक्स 612.60 अंक सुधर कर 50,193.33 अंक पर बंद हुआ। वैश्विक कच्चा तेल बाजार में ब्रेंट क्रूड का वायदा भाव 0.86 प्रतिशत चढ़कर 70.06 डालर प्रति बैरल पर चल रहा था। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार में बिकवाल बने हुए हैं। उन्होंने सोमवार को बाजार में 2,255.84 करोड़ रुपए के शेयरों की बिकवाली की थी।

रिजर्व बैंक ने मार्च में शुद्ध रूप से 5.699 अरब डॉलर बेचे

मुंबई: रिजर्व बैंक ने मार्च में अमेरिका मुद्रा की शुद्ध रूप से बिकवाली की। केन्द्रीय बैंक ने मार्च के दौरान हाजिर बाजार में शुद्ध रूप से 5.699 अरब डॉलर की अमेरिकी मुद्रा की बिक्री की। आरबीआई के आंकड़ों में यह दर्शाया गया है। आरबीआई के मई 2021 के मासिक बुलेटिन के मुताबिक केन्द्रीय बैंक ने मार्च 2021 में हाजिर मुद्रा बाजार से 20.25 अरब डॉलर की खरीदारी की वहीं इस दौरान उसने 25.949 अरब डॉलर बाजार में बेचे। इस प्रकार शुद्ध रूप से उसने 5.699 अरब डॉलर बाजार में बेचे। इससे पिछले महीने फरवरी 2021 में भी शीर्ष बैंक ने शुद्ध रूप से डॉलर की बिक्री की। फरवरी में आरबीआई ने 23.352 अरब डॉलर की खरीदारी और 24.571 अरब डॉलर की हाजिर बाजार में बिक्री की। वित्त वर्ष 2019- 20 की यदि बात की जाए तो वर्ष के दौरान आरबीआई ने शुद्ध रूप से 45.097 अरब डॉलर की खरीद की। इस दौरान बैंक ने 72.205 अरब डालर खरीदे वहीं 27.108 अरब डॉलर बाजार में बेचे।

कोरोना वायरस महामारी के चलते जापान की अर्थव्यवस्था 5.1प्रतिशत घटी

टोक्यो: कोरोना वायरस महामारी के प्रकोप को कम करने के लिए जारी सरकारी खर्च में कमी के चलते जापान की अर्थव्यवस्था जनवरी-मार्च 2021 तिमाही में 5.1 प्रतिशत घट गई। कैबिनेट कार्यालय के प्रारंभिक समायोजित सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़ों के मुताबिक इस दौरान घरेलू खपत 5.6 प्रतिशत की वार्षिक दर से घटी, जबकि सरकारी खर्च में 6.9 प्रतिशत की गिरावट आई।कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए जापान के ज्यादातर हिस्से में इस दौरान आपातकाल जैसी स्थिति रही, जहां भीड़ को इकट्ठा होने से रोकने के लिए कई प्रतिबंध लगाए गए थे। इसके बावजूद विकसित देशों में सबसे धीमी रफ्तार से टीकाकरण के बीच जापान में कोविड-19 से बीमारियां और मौत का आंकड़ा बढ़ रहा है। जापान की सिर्फ चार प्रतिशत आबादी को कोविड-19 का कम से कम एक टीका लगा है। दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था इससे पहले पिछली दो तिमाहियों में वृद्धि हासिल करने में कामयाब रही थी और धीरे-धीरे महामारी से हुए नुकसान से उबर रही थी।

वेदांता गुरुग्राम में 100 बिस्तरों वाला कोविड अस्पताल शुरू करेगी

नई दिल्ली: वेदांता लिमिटेड ने रविवार को हरियाणा के गुरुग्राम में 100 बिस्तरों वाले फील्ड अस्पताल के उद्घाटन की घोषणा की। कंपनी ने एक बयान में कहा, ''देश के 10 शहरों में कोविड-19 मरीजों की देखभाल के लिये 1,000 गहन चिकित्सा बिस्तरों को तैयार करने के अपने वादे को पूरा करते हुए हरियाणा के गुरुग्राम स्थित ताऊ देवी लाल स्टेडियम में 100 बिस्तरों के फील्ड अस्पताल के उद्घाटन की घोषणा करते हैं। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने रविवार को इस चिकित्सा सुविधा का दौरा किया। यह अस्पताल अगले सप्ताह चालू हो जाएगा। गुरुग्राम के ताऊ देवी लाल स्टेडियम में बनाए गए इस फील्ड अस्पताल में कोविड-19 मरीजों को समय पर जरूरी चिकित्सा उपलब्ध कराने के लिए आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इसमें 90 बिस्तरे ऑक्सीजन सुविधा के साथ और 10 बिस्तरे वेंटीलेटर समर्थन के साथ हैं। वेदांता समूह के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने इस अवसर पर कहा, कोरोना वायरस की दूसरी लहर देश के लिये काफी गंभीर रही है 100 बिस्तरों का यह फील्ड अस्पताल जिले के अस्पताल को जरूरी समर्थन उपलब्ध कराएगा।

जनवरी-मार्च में आवासीय बिक्री 21 प्रतिशत बढ़ी, अप्रैल-जून में सुस्ती: प्रॉपइक्विटी

नई दिल्ली (एजेंसी):

डेटा विश्लेषण फर्म प्रॉपइक्विटी के मुताबिक जनवरी-मार्च 2021 के दौरान 7 प्रमुख शहरों में आवासीय बिक्री में 21 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि नई आपूर्ति में सालाना आधार पर 40 प्रतिशत की गिरावट आई। हालांकि, कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के चलते अप्रैल-जून तिमाही में आवासीय मांग सुस्त रहने की आशंका है। प्रॉपइक्विटी के मुताबिक कैलेंडर वर्ष 2021 की पहली तिमाही में सात शहरों में आवास इकाइयों की बिक्री 21 प्रतिशत बढ़कर 1,05,183 इकाई हो गई, जो एक साल पहले की समान अवधि में 87,236 इकाई थी। रिपोर्ट के मुताबिक इस दौरान आवास इकाइयों की नई आपूर्ति या पेशकश 1,00,343 इकाइयों से 40 प्रतिशत गिरकर 59,737 इकाई रह गई। समीक्षाधीन अवधि में बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद, मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर), दिल्ली-एनसीआर और पुणे में आवासीय बिक्री में वृद्धि देखी गई, जबकि कोलकाता में 20 प्रतिशत की गिरावट आई। प्रॉपइक्विटी के संस्थापक और प्रबंध निदेशक समीर जसुजा ने कहा कि इस कैलेंडर वर्ष की पहली तिमाही पिछले साल की तुलना में भारतीय रियल्टी के लिए अपेक्षाकृत बेहतर थी। उन्होंने कहा, रहने के लिए तैयार घर या काफी हद तक पूरी हो चुकी परियोजनाओं की मांग अधिक थी। हालांकि, कोविड की दूसरी लहर के चलते मांग में कमी होगी। जसुजा ने उम्मीद जताई कि कोविड की दूसरी लहर खत्म होने के बाद बिक्री में तेजी आएगी।

सेंसेक्स एक बार फिर 50 हजार के पार, निफ्टी 15 हजार से आगे निकला

(एजेंसी):

मुंबई: वैश्विक बाजारों के सकारात्मक रुख और घरेलू बाजार में बड़े शेयरों में लिवाली के चलते मंगलवार को बंबई शेयर बाजार (बीएसई) का संवेदी सूचकांक 613 अंक उछलकर 50 हजार से ऊपर निकल गया। बीएसई सेंसेक्स में बड़ा स्थान रखने वाले शेयरों एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और बजाज फाइनेंस में लिवाली निकलने से बाजार में तेजी रही। कारोबार की समाप्ति पर बीएसई का 30-शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 612.60 अंक यानी 1.24 प्रतिशत बढ़कर 50,193.33 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 184.95 अंक यानी 1.24 प्रतिशत बढ़कर 15,000 अंक के स्तर को पार करता हुआ 15,108.10 अंक पर पहुंच गया। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा में सबसे ज्यदा,करीब छह प्रतिशत की बढ़त रही। बजाज आटो, टाइटन, बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक और पावर ग्रिड भी लाभ में रहे। भारती एयरटेल, आईटीसी, डा रेड्डीज लैब और स्टेट बैंक जैसे कई प्रमुख शेयरों में गिरावट रही।

रिलायंस सिक्युरिटीज के बाजार रणनीति प्रभाग के प्रमुख विनोद मोदी ने कहा, कोविड-19 के नए मामलों में गिरावट के शुरुआती संकेत मिलने और अर्थव्यवस्था में सुधार की गति तेज होने की उम्मीद से घरेलू शेयर बाजारों में तेजी का रुख रहा। एशियाई बाजारों से मजबूती के संकेतों से भी बाजारों में तेजी को समर्थन मिला। एशियाई बाजारों में शंघाई, हांग कांग, टोक्यो और सोल में सकारात्मक रुख रहा वहीं यूरोपीय बाजारों में दोपहर तक के कारोबार में लाभ की स्थिति रही। इस बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट कच्चे तेल का भाव 0.82 प्रतिशत बढ़कर 70.03 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

सोमवार को हरे निशान पर बंद हुआ था शेयर बाजार

सोमवार को शेयर बाजार में खरीदारी हुई और यह जोरदार बढ़त के साथ बंद हुआ। सेंसेक्स 848.18 अंक यानी 1.74 फीसदी ऊपर 49580.73 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी 245.35 अंक यानी 1.67 फीसदी की तेजी के साथ 14923.15 के स्तर पर बंद हुआ था।

सभी एशियाई बाजारों में बढ़त

- जापान का निक्केई इंडेक्स 613 पॉइंट ऊपर 28,438 पर कारोबार कर रहा है।
- चीन का शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 3 अंक की बढ़त के साथ 3,521 पर बना है।
- हांगकांग का हेंगसेंग इंडेक्स 410 पॉइंट ऊपर 28,553 पर कारोबार कर रहा है।
- कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 34 अंकों की बढ़त के साथ 3,168 पर आ गया है।
- ऑस्ट्रेलिया का ऑल ऑर्डनरीज इंडेक्स 29 पॉइंट ऊपर 7,285 पर पहुंच गया है।
- अमेरिकी बाजार गिरावट के साथ बंद

सोमवार को सभी अमेरिकी बाजार गिरावट के साथ बंद हुए थे। डाउ जोंस 0.16त्न की गिरावट के साथ 54.34 अंक नीचे 34,327.80 पर बंद हुआ था। नैस्डैक 0.38त्न की गिरावट के साथ 50.93 अंक नीचे 13,379.00 पर बंद हुआ। स्×क्क500 इंडेक्स 10.56 पॉइंट नीचे 4,163.29 पर बंद हुआ था। इधर, फ्रांस और जर्मनी के बाजार भी गिरावट के साथ बंद हुए थे।

आयातित तेल मंहगा होने की वजह से मांग प्रभावित होने के कारण तेल तिलहन कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली (एजेंसी):

आयातित तेलों के महंगा होने की वजह से मांग प्रभावित होने के कारण स्थानीय तेल तिलहन बाजार में मंगलवार को सोयाबीन डीगम, पाम एवं पामोलिन सहित सरसों और बिनौला तेल कीमतों में भी गिरावट का रुख रहा और भाव हानि के साथ बंद हुए। बाजार सूत्रों का कहना है कि अमेरिका के शिकागो और मलेशिया एक्सचेंज में कल रात से चार-चार प्रतिशत की तेजी होने के बावजूद इनके देशी तेलों के मुकाबले मंहगा होने के कारण तेल तिलहनों की मांग प्रभावित हुई जिससे लगभग सभी खाद्य तेल तिलहन कीमतों में गिरावट आई। उन्होंने कहा कि सरकार को इस बात की ओर ध्यान देना होगा कि देश में खाद्य तेलों की 70 प्रतिशत की कमी है और इसे पूरा करने के लिए देश आयात पर निर्भर है लेकिन ऐसी स्थिति होने के बावजूद विदेशों से खरीद भाव के मुकाबले देश के हाजिर मंडियों और वायदा कारोबार में इनके भाव 700 रुपए से लगभग 1,000 रुपए क्विन्टल नीचे चलना आश्चर्यजनक हैं। महंगा होने की वजह से मांग घटने के कारण सीपीओ का भाव 10 रुपए घटकर 12,660 रुपए, पामोलीन दिल्ली 50 रुपए घटकर 14,550 रुपए और पामोलीन कांडला का भाव 20 रुपए घटकर 13,580 रुपए प्रति क्विन्टल रह गया। इसी प्रकार सोयाबीन डीगम का भाव भी 10 रुपए घटकर 14,410 रुपए प्रति क्विन्टल रह गया। उन्होंने कहा कि सस्ता होने के कारण सरसों की मांग बढ़ रही है जिसकी वजह से सरसों दाना के भाव पूर्वस्तर पर बने रहे जबकि आम रुख के अनुरूप मांग घटने से सरसों तेल कीमतों में मामूली गिरावट देखी गई। सरसों दादरी में जहां 25 रुपए प्रति क्विन्टल की गिरावट आई वहीं सरसों पक्की और कच्ची घानी के भाव पांच-पांच रुपए प्रति टिन की गिरावट दर्शाते बंद हुए। सूत्रों ने कहा कि बिनौलातेल का भाव भी 50 रुपए की हानि दर्शाता 14,800 रुपए क्विंटल रह गया। बाजार के जानकार मानते हैं कि किसानों और घरेलू तेल उद्योग के हित में सरकार को तेल- तिलहन उत्पादन बढ़ाने के लिये हर संभव कदम उठाना चाहिये। उन्होंने कहा कि सरकार को तिलहन किसानों को अधिक दाम देकर उन्हें तिलहन उत्पादन को बढ़ाने के लिए प्रेरित करना चाहिये। समय की मांग है कि देश की आयात पर निर्भरता खत्म हो जिसके लिए देश को भारी मात्रा में विदेशीमुद्रा खर्च करना पड़ता है। बाकी सभी तेल तिलहनों के भाव पूर्ववत बंद हुए।

बाजार में थोक भाव इस प्रकार रहे

सरसों तिलहन- 7,575- 7,625 (42 प्रतिशत कंडीशन का भाव) रुपए। मूंगफली दाना- 6,270- 6,315 रुपए। मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात)- 15,400 रुपए। मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 2,465 - 2,515 रुपए प्रति टिन। सरसों तेल दादरी- 15,125 रुपए प्रति क्विंटल। सरसों पक्की घानी- 2,390 -2,440 रुपए प्रति टिन। सरसों कच्ची घानी- 2,490 - 2,590 रुपए प्रति टिन। तिल तेल मिल डिलिवरी - 16,000 - 18,500 रुपए। सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली- 16,000 रुपए। सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर- 15,750 रुपए। सोयाबीन तेल डीगम, कांडला- 14,410 रुपए। सीपीओ एक्स-कांडला- 12,600 रुपए। बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा)- 14,800 रुपए। पामोलिन आरबीडी, दिल्ली- 14,550 रुपए।

पामोलिन एक्स- कांडला- 13,580 (बिना जीएसटी के) सोयाबीन दाना 7,900 - 7,950, सोयाबीन लूज 7,750 - 7,800 रुपएमक्का खल 3,800 रुपए। (भाव: रुपए प्रति क्विंटल)

महत्वपूर्ण संख्या में लोगों को टीका लगने के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था फिर अच्छा करेगी: आशिमा गोयल

नई दिल्ली (एजेंसी):

आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की सदस्य आशिमा गोयल ने मंगलवार को कहा कि एक बार महत्वपूर्ण संख्या में लोगों को टीका लगने के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था अच्छा प्रदर्शन करेगी, क्योंकि मांग में बढ़ोतरी, वैश्विक सुधार और आसान वित्तीय स्थितियां आर्थिक कारोबारी गतिविधियों को बढ़ावा देगी। उन्होंने कहा कि भारत इस समय कोविड की दूसरी लहर के भयानक असर से जूझ रहा है लेकिन लॉकडाउन के चलते अर्थव्यवस्था को हुआ नुकसान काफी कम है और इसके चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही से आगे बढ़ने की आशंका बहुत कम है। उन्होंने कहा, ''भारत में वैक्सीन उत्पादन का केंद्र बनने की क्षमता है और वह जल्द ही इस दिशा में आगे बढ़ने में सक्षम होगा। एक बार जब टीकाकरण महत्वपूर्ण आबादी तक पहुंच जाएगा, तो अर्थव्यवस्था मांग, वैश्विक सुधार और आसान वित्तीय स्थितियों के चलते अच्छा प्रदर्शन करेगी। प्रख्यात अर्थशास्त्री ने कहा कि स्थानीय स्तर पर लॉकडाउन और प्रतिबंधों के चलते संक्रमण में सफलतापूर्वक कमी आई है। उन्होंने कहा, ''यह आपूर्ति श्रृंखलाओं के लिए कम बाधाकारी है, क्योंकि यह स्थानीय जरूरतों के अनुसार है और इसके लिए पूरी तरह पूर्ण लॉकडाउन लगाने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के बाद उन्नत अर्थव्यवस्थाओं के मुकाबले भारत में राजकोषीय विस्तार सामान्य रहा है और मध्यम अवधि में इसमें बदलाव संभव होगा। उन्होंने कहा, ''चूंकि, भारत की दीर्घकालिक वृद्धि गाथा बरकरार है, इसलिए रेटिंग एजेंसियां देश को समय देने के लिए तैयार होंगी। साथ ही उन्होंने कहा कि गैर-कर वित्त पोषित खर्च में लगातार बढ़ोतरी समस्याएं पैदा कर सकती है। वर्ष 2024-25 तक भारत को 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के सरकार के लक्ष्य पर गोयल ने कहा कि इतनी व्यापक और अप्रत्याशित महामारी के बाद इस लक्ष्य को हासिल करने में अधिक समय लगेगा। उन्होंने कहा कि साथ ही कोविड-19 से संबंधित अनिश्चितताएं अभी खत्म नहीं हुई हैं।

अदार पूनावाला पैनेसिया बायोटेक से हुए बाहर, 118 करोड़ में बेची पूरी हिस्सेदारी

(एजेंसी):

सीरम इंस्टीट्यूट आफ इंडिया (एसआईआई) के सीईओ अदार पूनावाला ने सोमवार को पैनेसिया बोयोटेक में अपनी पूरी 5.15 प्रतिशत हिस्सेदारी खुले बाजार में किए गए सौदे के तहत 118 करोड़ रुपए में बेच दी। इन शेयरों को एसआईआई ने खरीद लिया। बंबई शेयर बाजार (बीएसई) के एकमुश्त सौदे वाले आंकड़ों के मुताबिक पूनावाला ने पैनेसिया के 31,57,034 शेयरों को 373.85 रुपए प्रति शेयर के भाव पर बेच दिया जिससे उन्हें कुल 118.02 करोड़ रुपए प्राप्त हुए। इन शेयरों को इसी भाव पर एक अलग सौदे में एसआईआइ ने खरीद लिया। पैनेसिया के मार्च 2021 के शेयरहोल्डिंग आंकड़ों के मुताबिक पूनावाला और एसआईआई कंपनी में क्रमशः 5.15 प्रतिशत और 4.98 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ सार्वजनिक शेयरधारक थे। एक अन्य सौदे में शारदा माइन्स ने जिंदल स्टील एण्ड पावर लिमिटेड के 227.66 करोड़ रुपए मूल्य के शेयरे बेचे।

कंपनी के 52.74 लाख शेयरों को 431.62 रुपए प्रति शेयर के भाव पर बेचा गया। सोमवार को जिंदल स्टील एण्ड पावर लिमिटेड का शेयर मूल्य 4.65 प्रतिशत बढ़कर 436.55 रुपए प्रति शेयर पर बंद हुआ।

मेटल शेयरों में रही शानदार रौनक, NALCO और JSPL में देखी जोरदार तेजी

(एजेंसी):

मेटल शेयरों में शानदार रौनक देखने को मिली। इस हफ्ते **NALCO, GMDC** और **JSPL** में 7 से 10 फीसदी की जोरदार तेजी देखने को मिली। निफ्टी मेटल इंडेक्स 2 दिनों में 5 फीसदी दौड़ा। आज के कारोबार में हिंद जिंक, हिंद कॉपर, हिंडाल्को, टाटा स्टील, एनएमडीसी और सेल में सबसे ज्यादा मोमेंटम देखने को मिला। मेटल शेयरों की 1 महीने की चाल पर नजर डालें तो बीते 1 महीने में सेल ने 37 फीसदी, एनएमडीसी ने 27 फीसदी, टाटा स्टील ने 26 फीसदी, नाल्को ने 21 फीसदी और **JSW Steel** ने 14 फीसदी तक का मूव दिखाया है। दरअसल स्टील शेयरों में तेजी की वजह यह है कि चीन ने कुछ स्टील प्रोडक्ट्स पर से छूट वापस ले ली है। चीन ने एक्सपोर्ट पर दी जाने वाली छूट को वापस लिया है। **HRC, Rebar, CRC** 13 फीसदी पर एक्सपोर्ट छूट मिलती थी। पहले चीन की एक्सपोर्ट प्राइस, घरेलू भाव से कम रहती है। पिछले 1 महीने से एक्सपोर्ट भाव, घरेलू कीमतों से ऊपर है। **JP MORGAN** ने स्टील सेक्टर पर अपनी रिपोर्ट में कहा है कि चीन स्टील का नेट इंपोर्टर बन सकता है। मई, जून में ॥ऋष्ट में 6,000-7,000 रुपए प्रति टन की तेजी संभव है।

एल्युमीनियम वायदा कीमतों में गिरावट

हाजिर बाजार में कमजोरी के रुख के कारण कारोबारियों ने अपने सौदों की कटान की जिससे वायदा कारोबार में मंगलवार को एल्युमीनियम की कीमत 1.15 प्रतिशत की हानि के साथ 196.85 रुपए प्रति किलो रह गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में मई माह में डिलीवरी होने वाले अनुबंध के लिए एल्युमीनियम का भाव 1.15 रुपए यानी 0.58 प्रतिशत की गिरावट के साथ 196.85 रुपए प्रति किलो रह गया। इसमें 1,391 लॉट के लिए सौदे किए गए। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि हाजिर बाजार में उपभोक्ता उद्योगों की मांग घटने के कारण कारोबारियों द्वारा अपने सौदों की कटान करने से वायदा कारोबार में एल्युमीनियम कीमतों में गिरावट आई।

एमवे इंडिया का स्वस्थ जीवन शैली पर जोर; 'स्वास्थ्य और स्वच्छता' जागरूकता अभियान की शुरुआत की

मुंबई ।पोषण के माध्यम से रोग प्रतिरोधक क्षमता का समर्थन करने पर स्पष्ट ध्यान केंद्रित करने के साथ निरंतर स्वस्थ जीवन को बढ़ावा देते हुएदेश की अग्रणी एफएमसीजी डायरेक्ट सेलिंग कंपनियों में से एकएमवे इंडिया ने 'स्वास्थ्य और स्वच्छता' से जुड़ीं आदतों को प्रोत्साहित करने के लिए एक जागरूकता अभियान शुरू किया है।भारत में एमवे की 23वीं वर्षगांठ पर शुरू किए गए इस अभियान का उद्देश्य इस बारे में जागरूकता फैलाना है कि कैसे सही पोषण एक स्वस्थ जीवन शैली के निर्माण में मदद कर सकता है।अभियान को डॉक्टरों और पोषण विशेषज्ञों के पैनल के साथ वर्चुअल सत्रों की एक श्रंखला के माध्यम से सहयोग प्रदान किया जा रहा है। पूरे भारत मेंहमने अपने 5.5लाख डायरेक्ट सेलर्स/रिटेलर्स और उनके ग्राहकों तक पहुंचते हुए 1000से अधिक सत्र आयोजित किए हैं।

लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए एमवे इंडिया के सीईओ अंशु बुधराजा ने कहा "आजअपने समग्र स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने के लिए पोषक तत्व लेने के लिए जागरूकता में वृद्धि के साथ स्वास्थ्य और कल्याण ने हर चीज पर प्राथमिकता हासिल कर ली है, साथ ही उम्र भी इसमें कोई मायने नहीं रखती है।एक हालिया सर्वेक्षण के अनुसार जिन उपभोक्ताओं से बात की गई, उनमें से 50त्नने अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने के लिए बीते वर्ष 2020 में अपने समग्र स्वास्थ्य को मजबूती प्रदान करते हुए अधिक सप्लीमेंट्स लेने की बात कही, और यह प्रवृत्ति देश में लंबे समय तक बनी रहने वाली प्रतीत होती है। विटामिन और डाइटरी सप्लीमेंट्स बाजार में एमवे की शानदार उपस्थिति को देखते हुएहम उपभोक्ताओं की बढ़ती मांगों को पूरा करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। पोषण, रोग प्रतिरोधक क्षमता और स्वच्छता के साथ स्वयं की देखभाल इस वर्ष हमारे लिए ध्यान केंद्रित करने का मुख्य केंद्रबिंदु बनी रहेगी और इसी के अनुरूप हमने भारत में अपनी 23वीं वर्षगांठ पर लोगों को बेहतर, स्वस्थ जीवन जीने में मदद करने के लिए च्स्वास्थ्य और स्वच्छताज जागरूकता अभियान की घोषणा की। इसके साथ हम उपभोक्ताओं की बढ़ती जरूरतों और उपभोक्ता जीवन शैली के अनुरूप नवीन, विश्व स्तरीय गुणवत्ता वाले उत्पाद प्रदान करके उपभोक्ताओं के समक्ष अपने ब्रांड के वादे पर खरा उतरने की दिशा में निरंतर काम कर रहे हैं। हम पोषण के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाने और बेहतरीन स्वास्थ्य के लिए स्वच्छता संबंधी आदतों को विकसित करने के लिए कई डिजिटल पहलों की मेजबानी कर रहे हैं।"

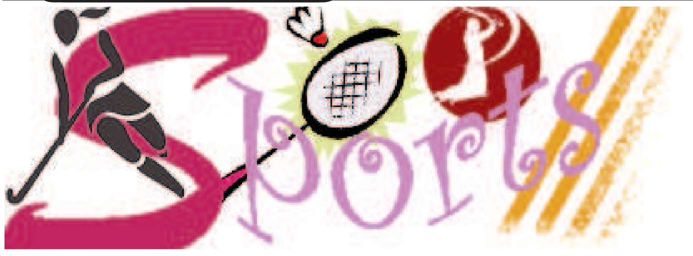

डब्ल्यूटीसी ने टेस्ट क्रिकेट को उत्साहजनक बनाया : विलियम्सन

साउथम्पटन। न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियम्सन ने कहा है कि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) ने लंबे प्रारूप के क्रिकेट को उत्साहजनक बनाया है। न्यूजीलैंड और भारत के बीच 18 जून से डब्ल्यूटीसी का फाइनल मुकाबला खेला जाना है। फाइनल मैच से पहले न्यूजीलैंड की टीम को इंग्लैंड के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। विलियम्सन ने कहा, इससे उत्साह बढ़ा है। हमने देखा है कि किस तरह टीमों ने जीतने के लिए मेहनत की है। भारत और ऑस्ट्रेलिया तथा पाकिस्तान के साथ हमारी सीरीज में भी देखा गया कि किस तरह टीमों ने जीतने के लिए जोखिम उठाए हैं। आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से खेलने वाले विलियम्सन ने कहा है कि डब्ल्यूटीसी फाइनल में भारत के खिलाफ खेलना चुनौतीपूर्ण है। विलियम्सन ने कहा, जब भी हम भारत के खिलाफ खेलते हैं यह चुनौतीपूर्ण होता है। उनके खिलाफ खेलने के लिए हम उत्साहित भी रहते हैं। न्यूजीलैंड की टीम साउथम्पटन पहुंच चुकी है और वह 25 मई से समरसेट के खिलाफ चार दिवसीय अभ्यास मैच खेलेगी। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट कीवी टीम में शामिल नहीं रहेंगे। वह दूसरे टेस्ट के लिए यहां पहुंच सकते हैं लेकिन भारत के खिलाफ डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए वह उपलब्ध होंगे।

बॉल टेंपरिंग मामले में बैनक्रॉफ्ट के आरोपों पर 4 ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने दी सफाई, बोले-

हमारी ईमानदारी पर सवाल उठाना गलत

(एजेंसी)।

इन दिनों साल 2018 का ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम का बॉल टेंपरिंग मामला काफी सुर्खियों में बना हुआ है. पिछले दिनों ऑस्ट्रेलिया टीम के सलामी बल्लेबाज बैनक्रॉफ्ट ने बॉल टैंपरिंग मामले को लेकर कई खुलासे किए थे. हालांकि बाद में उन्होंने अपने दावों से पलटी मार ली. उन्होंने कहा कि टीम के कई गेंदबाजों को दक्षिण इन दिनों साल 2018 का ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम का बॉल टेंपरिंग मामला काफी सुर्खियों में बना हुआ है. पिछले दिनों ऑस्ट्रेलिया टीम के सलामी बल्लेबाज बैनक्रॉफ्ट ने बॉल टैंपरिंग मामले को लेकर कई खुलासे किए थे. हालांकि बाद में उन्होंने अपने दावों से पलटी मार ली. उन्होंने कहा कि टीम के कई गेंदबाजों को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हुए न्यूलैंड्स में गेंद से छेड़छाड़ के बारे में पता था. इन गेंदबाजों में पैट कमिंस, जोश हेजलवुड, मिचेल स्टार्क और नाथन लॉयन का नाम शामिल था. अब इन गेंदबाजों ने एक बयान जारी कर बैनक्रॉफ्ट के आरोपों को नकार दिया है. इन चारों गेंदबाजो ने अपने बयान में कहा- हमें न्यूलैंड्स टेस्ट के दौरान हुई गेंद से छेड़छाड़ के बारे में कोई जानकारी नहीं थी. हमें अपनी इमानदारी पर गर्व है.ऐसे में पुराने खिलाड़ियों और कुछ पत्रकारों ने इस पर सवाल उठाया है. इससे हम बहुत आहत है. इस विषय पर हम कई बार सवालों के जवाब दे चुके हैं. लेकिन हमें लगा कि दोबारा इस पर अपना पक्ष रखना चाहिए और इससे जुड़े तथ्यों को सामने लाना चाहिए. हमें नहीं पता था कि गेंद की स्थिति को बदलने के लिए किसी चीज को मैदान पर ले जाया गया था. हमने भी स्टेडियम में लगी स्क्रीन पर इससे जुड़ी तस्वीरें देखी. इन चारों गेंदबाजों ने अपने बयान में बैनक्रॉफ्ट का नाम सीधे तौर पर नहीं लिया. लेकिन उन्होंने इशारों-इशारों में बैनक्रॉफ्ट पर निशाना साधा. गेंदबाजों ने कहा- जो लोग सबूतों के अभाव के बावजूद इस बात पर जोर देते हैं कि हम गेंद से छेड़छाड़ के बारे में सिर्फ इसलिए जानते होंगे क्योंकि हम गेंदबाज है, तो यह गलत है. उस टेस्ट मैच में नाइजल लॉन्ग और रिचर्ड इलिंगवर्थ अंपायरिंग कर रहे थे. दोनों काफी अनुभवी हैं. दोनों ने स्क्रीन पर गेंद की तस्वीर दिखाने के बाद इसकी जांच की थी और किसी तरह की छेड़छाड़ नहीं दिखने के कारण ही बॉल नहीं बदली थी. आगे इन ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने कहा- उस दिन न्यूलैंड्स मैदान पर क्या हुआ था, इसको लेकर कोई बहाना नहीं बनाया जा सकता. यह गलत था और ऐसा कभी नहीं होना चाहिए था. इस घटना से हमने सबक सीखा है और हम यह सोचना चाहते हैं कि जनता हमारे खेलने के तरीके, हमारे बर्ताव और खेल का सम्मान करने के तरीके के मामले में बेहतर बदलाव देख सकती है. बतौर इंसान और खिलाड़ी हम अपने भीतर सुधार की प्रक्रिया जारी रखेंगे.

कोरोना के कारण भारत ने पैरालम्पिक कोटा हासिल करने के मौके गंवाए : कोच

नई दिल्ली (एजेंसी)।

राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स कोच सत्यपाल सिंह का कहना है कि कोरोना महामारी के कारण भारत ने ज्यादा पैरालम्पिक कोटा हासिल करने के मौके गंवाए। सत्यपाल ने कहा कि व्हीलचेयर बाउंड डिस्कस थ्रो एथलीट साक्षी कसाना उन भारतीय पैरा एथलीटों में शामिल हैं जो कोरोना के कारण हाल ही में संपन्न हुए यूरोपियन ग्रां प्री में हिस्सा नहीं ले सके थे। सत्यपाल ने कहा, पांच से सात मई तक होने वाले पेरिस ग्रां प्री को कोरोना के कारण रद्द कर दिया। अंतरराष्ट्रीय पैरालम्पिक समिति ने 14 से 16 मई तक हुए स्विटजरलैंड ग्रां प्री में भारतीय एथलीटों को शामिल होने की मंजूरी नहीं दी थी। दोनों इवेंट ऐसे थे जहां भारतीय पैरा एथलीटों के पास टोक्यो पैरालम्पिक का कोटा हासिल करने का मौका था। द्रोणाचार्य अवॉर्डी कोच ने आईएएनएस से कहा, साक्षी में अच्छा करने की क्षमता है। 20 मीटर या उससे अधिक का प्रदर्शन करने पर वह कोटा हासिल करने की दौड़ में शामिल रहेंगी। सत्यपाल ने कहा कि कुछ पैरा एथलीट जिन्होंने न्यूनतम क्वालिफिकेशन स्कोर हासिल किया है वे अगले महीने होने वाले राष्ट्रीय चयन ट्रायल में हिस्सा लेंगे। उन्होंने कहा, साक्षी जैसी एथलीट जो न्यूनतम क्वालिफिकेशन स्कोर हासिल नहीं कर सकीं हैं वो राष्ट्रीय ट्रायल्स में हिस्सा नहीं ले सकेंगी।

डिफेंडर गुरिंदर ने हाल की सफलता का श्रेय मैदान पर बेहतर तालमेल को दिया

बेंगलुरू। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के डिफेंडर गुरिंदर सिंह ने कहा है कि मैदान पर खिलाड़ियों के बीच बेहतर तालमेल से टीम को इस साल की शुरूआत में जर्मनी, बेल्जियम और अर्जेंटीना दौरों पर अच्छे परिणाम हासिल करने में मदद मिली है। भारतीय टीम इस साल मार्च के अपने यूरोप दौरे पर अजेय रही थी और फिर अप्रैल में उसे केवल अर्जेंटीना से हार का सामना करना पड़ा था। भारत के लिए 58 मैच खेल चुके गुरिंदर ने कहा, मैदान पर एक अच्छी यह रही है कि हमने हमेशा बेहतर तालमेल बनाने पर ध्यान केंद्रित किया। कौशल महत्वपूर्ण है, लेकिन यदि खिलाड़ियों के बीच तालमेल नहीं होगा तो खिलाड़ियों के कौशल का सही उपयोग नहीं होगा। हमने यूरोप और अर्जेंटीना के अपने दौरों पर बेहतर तालमेल बिठाया। उन्होंने कहा, हमने गेंद को पास करते समय संकोच नहीं किया क्योंकि खिलाड़ी पिच पर अच्छी तरह से आगे बढ़ रहे थे। यह हमारे लिए बहुत अच्छा संकेत है और हमने इस साल अपने मैचों में अच्छे परिणाम हासिल करने में निश्चित रूप से जो तालमेल बिठाया है, उससे हमें मदद मिली है। 26 साल के डिफेंडर का मानना है कि वह खुद को बेहद भाग्यशाली मानते हैं कि उन्हें हरमनप्रीत सिंह और सुरेंदर कुमार जैसे अनुभवी डिफेंडरों के साथ खेलने का मौका मिल रहा है। उन्होंने कहा, हमारी टीम में युवाओं और अनुभवी खिलाड़ियों के बीच एक शानदार संतुलन है। मैं अपनी टीम में हरमनप्रीत सिंह और सुरेंद्र कुमार जैसे सीनियर खिलाड़ियों को पाकर बहुत भाग्यशाली महसूस करता हूं। उन्होंने भारत के लिए 100 से अधिक मैच खेले हैं और मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा है। हमारे सीनियर्स हमेशा हमारे खेल में हमारी मदद के लिए मौजूद रहते हैं। मुझे उम्मीद है कि भविष्य में मैं उनके जैसा खिलाड़ी बन सकता हूं।

वेदा कृष्णमूर्ति ने समर्थन के लिए बीसीसीआई और जय शाह को कहा धन्यवाद

नई दिल्ली (एजेंसी)।

वेदा कृष्णमूर्ति ने अपनी मां और बहन की मौत के बाद उनका साथ देने के लिए मंगलवार को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) और उसके सचिव जय शाह को धन्यवाद दिया। इससे कुछ दिन पहले आस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान लिसा स्थालेकर ने वेदा से संपर्क नहीं करने के लिए बीसीसीआई की आलोचना की थी। इसी महीने मध्यक्रम की इस बल्लेबाज की बहन की कोविड-19 संक्रमण से मौत हो गई थी जबकि उससे दो हफ्ते पहले पिछले महीने उन्होंने अपनी मां को इस घातक संक्रमण के कारण गंवा दिया था। वेदा ने इस मुश्किल समय में उनका साथ देने के लिए ट्विटर के जरिए बीसीसीआई को धन्यवाद दिया। वेदा ने ट्वीट किया, 'पिछला महीने मेरे और मेरे परिवार के लिए बहुत मुश्किल रहा। मैं कुछ दिन पहले मेरे से संपर्क करने के लिए बीसीसीआई और जय शाह को धन्यवाद देना चाहती हूं। उन्होंने इस मुश्किल समय में मेरा साथ दिया। आपको बहुत बहुत धन्यवाद। बोर्ड ने अगले महीने होने वाले ब्रिटेन के दौरे के लिए पिछले हफ्ते भारतीय टेस्ट और एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय टीम घोषित की थी और उम्मीद के मुताबिक वेदा को उसमें जगह नहीं मिली थी। ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान लिसा ने हालांकि दावा किया था कि बीसीसीआई ने ना तो वेदा का हाल पूछा और ना ही इस भारतीय क्रिकेटर को इंग्लैंड के आगामी दौरे पर उनके नाम पर विचार नहीं करने के बारे में बताया। लिसा ने कहा था, 'आगामी श्रृंखला के लिए वेदा का चयन नहीं करना शायद उनके नजरिए से सही हो, मैं सबसे अधिक इस बात से नाराज हूं कि अनुबंधित खिलाड़ी होने के बावजूद उसे बीसीसीआई से कोई सूचना नहीं मिली, यह भी नहीं पूछा गया कि वह इससे कैसे निपट रही है। आईसीसी हॉल आफ फेम में शामिल इस खिलाड़ी ने कहा, 'एक सच्चा संघ खेल को खेलने वाले अपने खिलाड़ियो की बेहद फिक्र करता है... किसी भी कीमत पर सिर्फ खेल पर ध्यान नहीं देता। इसलिए निराश हूं।

संक्षिप्त समाचार

दो महीने के अंतराल के बाद अपने पहले टूर्नामेंट में भाग लेने लिए तैयार हैं फेडरर

जेनेवा। स्विटजरलैंड के रोजर फेडरर चोटिल होने के कारण दो महीने के अंतराल के बाद जेनेवा ओपन से टेनिस कोर्ट में वापसी करने के लिए तैयार हैं। फेडरर का मंगलवार को जेनेवा ओपन में स्पेन के पाब्लो एंदुजार से मुकाबला होगा। फेडरर ने कहा, मुझे इस बात की फिक्र है कि मेरा खेल अभी किस स्तर पर है। खिलाड़ी अच्छी लय में हैं और सभी का स्तर अच्छा है। मैं भी इसे हासिल करना चाहता हूं। 20 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता फेडरर का कहना है कि अभ्यास में उनके लिए चीजें आसान रहीं लेकिन उन्हें अभी प्राइम फिटनेस हासिल करने के लिए कुछ मैच खेलने की जरूरत है। उन्होंने कहा, मेरे स्तर को लेकर जबाव के लिए मुझे अभी 10 मैच खेलने की जरूरत है। अभ्यास में चीजें बेहतर रही। जब आप चोटिल होकर वापस लौटते हैं तो सभी के मुकाबले आप अलग स्थान पर रहते हैं। मैं वापसी के लिए उत्सुक हूं और फिलहाल राफेल नडाल या नोवाक जोकोविच जैसे स्तर पर पहुंचने के बारे में ध्यान केंद्रित नहीं कर रहा हूं। फेडरर की 2020 में दो बार घुटने की सर्जरी हुई थी। वह आखिरी बार मार्च में कतर एक्सोनमोबिल ओपन में खेले थे जहां उन्हें क्वार्टर फाइनल में हार का सामना सामना करना पड़ा था।

भारतीय तेज गेंदबाज दुनिया में किसी भी जगह प्रदर्शन करने में सक्षम : वेगनर

साउथम्पटन। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज नील वेगनर का कहना है कि भारतीय तेज गेंदबाज दुनिया में किसी भी जगह उम्दा प्रदर्शन करने में सक्षम हैं। भारतीय टीम ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल मुकाबले और इंग्लैंड दौरे के लिए टीम में छह तेज गेंदबाजों को लिया है इसके अलावा अन्य तीन तेज गेंदबाज स्टैंडबाई के तौर पर इंग्लैंड जाएंगे। जसप्रीत बुमराह, इशांत शर्मा और मोहम्मद शमी जैसे तेज गेंदबाजों के अलावा भारत के पास रविचंद्रन अश्विन और रवींद्र जडेजा जैसे अनुभवी स्पिनर भी हैं। दूसरी तरफ न्यूजीलैंड के पास ट्रेंट बोल्ट, टिम साउदी, काइल जैमिसन और वेगनर जैसे तेज गेंदबाज हैं जबकि मिशेल सेंटनर जैसा स्पिनर है। वेगनर ने कहा, दोनों टीमों में कई अच्छे गेंदबाज हैं। भारत के पास बेहतरीन तेज गेंदबाज हैं जो दुनिया में कहीं भी उम्दा प्रदर्शन कर सकते हैं। वे किसी भी वातावरण में गेंद को स्विंग करवा सकते हैं। वेगनर ने कहा कि दोनों टीमों के लिए इंग्लैंड के वातावरण में ढलना चुनौती होगी जहां हर सीजन के बाद वातावरण और मौसम बदल जाता है। उन्होंने कहा, जब सूरज निकलता है तो पिच सपाट हो जाती है। वातावरण पूरे दिन बदलता है। पहले पिच सपाट रहती है और जल्दी से गेंद स्विंग नहीं करती है।

"अपनी पहली फिल्म से मेरी बहुत-सी खूबसूरत यादें जुड़ीं हैं"

बॉबी देओल और ट्विंकल खन्ना ने फिल्म 'बरसात' में अपनी बेमिसाल ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री से पर्दे पर रोमांस को एक नई परिभाषा दी थी। इस फिल्म के रिलीज के 26 साल बाद आज भी बॉलीवुड प्रेमियों को टीना और बादल की प्रेम कहानी बहुत आकर्षित करती है। तो आप भी ज़ी बॉलीवुड पर 21 मई को रात 9 बजे फिल्म बरसात के प्रीमियर के साथ, 101त्न शुद्ध रोमांस मां डूब जाने के लिए के लिए तैयार हो जाइए।

इस फिल्म से जुड़े कुछ खास पलों के बारे में बताते हुए बॉबी देओल ने कहा, "हर पहली चीज हमेशा खास होती है। कोई भी नई चीज शुरू करने का उत्साह ही अनोखा है। बरसात मेरी पहली फिल्म थी और इस फिल्म से जुड़ीं मेरी बहुत अच्छी यादें हैं। मुझे याद है उस समय मुझे सनग्लास से बहुत लगाव था। मेरे पास एक ब्लू सनग्लास था, जो मेरा फेवरेट था। मैं %तेरी अदाओं पे मरता हूं गाने में यह पहनाना चाहता था। उस समय मुझे नहीं पता था कि यह इतना पॉपुलर हो जाएगा। दर्शकों को मेरा वो लुक इतना पसंद आया कि वो उस दौर का फैशन ट्रेंड बन गया। मुझे एक और बात याद आती है कि घुड़सवारी वाले एक सीन के दौरान मेरा एक छोटा-सा एक्सीडेंट हो गया था और मेरी टांग टूट गई थी। किस्मत से यह फिल्म का मेरा आखिरी सीन था। इस फिल्म से जुड़े मेरे कुछ ऐसे खूबसूरत पल हैं, जिन्हें याद करके मुझे बहुत अच्छा लगता है। मैं ज़ी बॉलीवुड पर होने जा रहे इस फिल्म के प्रीमियर को लेकर वाकई बहुत उत्साहित हूं। मुझे उम्मीद है दर्शकों को इसे देखने में उतना ही मजा आएगा, जितना मजा उन्हें उस समय आया था।" तो आप भी 101% शुद्ध बॉलीवुड चैनल ज़ी बॉलीवुड पर 21 मई को रात 9 बजे फिल्म 'बरसात' के प्रीमियर में 101% शुद्ध रोमांस देखना ना भूलें!

सीनियर नेशनल टीम में चुने जाने से आत्मविश्वास बढ़ा : गोलकीपर धीरज

नई दिल्ली। भारतीय फुटबाल टीम के युवा गोलकीपर धीरज सिंह मोइरंगथम ने कहा है कि एएफसी चैंपियंस लीग 2021 ग्रुप चरण से पहले सीनियर राष्ट्रीय टीम में चुने जाने से उनका आत्मविश्वास बढ़ा है। आईएसएल में एफसी गोवा के लिए खेलने वाले धीरज का एएफसी चैंपियंस लीग 2021 ग्रुप चरण से दो महीने पहले ही सीनियर राष्ट्रीय फुटबाल टीम में चयन हुआ था। इससे वह एएफसी चैंपियंस लीग 2021 ग्रुप चरण में एफसी गोवा के लिए बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित हुए। उनके बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत एफसी गोवा एएफसी चैंपियंस लीग 2021 ग्रुप चरण में तीसरे स्थान पर रही थी और एफसी गोवा इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाली भारत की पहली फुटबाल क्लब बनी। धीरज ने एआईएफएफ टीवी से कहा, आईएसएल के बाद सही समय पर मेरा नेशनल टीम में चयन हुआ। इससे मुझे सीनियर टीम के साथ यूएई दौरे पर जाने का मौका मिला। गुरप्रीत पाजी और अमरिंदर पाजी के साथ ट्रेनिंग करना मेरे लिए एक बड़ी प्रेरणा थी। मैं उस समय इतना प्रेरित हुआ था कि वापस आने के बाद मैंने सीधे गोवा से जुड़ गया। उन्होंने कहा, नेशनल टीम में चुने जाने के बाद मेरे आत्मविश्वास पर काफी बड़ा प्रभाव पड़ा। हमारे कोच ने भी हमारा काफी आत्मविश्वास बढ़ाया और हमारे उपर से दबाव को कम किया। उन्होंने हमसे केवल इतना ही कहा कि जाओ और अपना स्वभाविक खेल खेलो और हमने यही किया। फातोर्दा के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेले गए ग्रुप ई के छह मुकाबलों में एफसी गोवा ने टूनामेंट में कतर के अल रेयान और यूएई के अल वहदा जैसे क्लबों के खिलाफ तीन ड्रॉ खेले और तीन में उसे हार का सामना करना पड़ा। एफसी गोवा ने टूर्नामेंट में अल रेयान और अल वहदा क्लबों को ड्रॉ पर रोका। इसके बाद उसे ईरान के क्लब पसेपोलिस एफसी के खिलाफ दो बार हार का सामना करना पड़ा और फिर उसने अल रेयान को ड्रॉ पर रोका। अंतिम मैच में गोवा को अल वहदा क्लब से 0-2 से शिकस्त झेलनी पड़ी। युवा गोलकीपर धीरज ने इन मुकाबलों में दो क्लीन शीट अपने नाम किया और साथ ही उन्होंने पांच मैचों में 19 सेव भी किए।

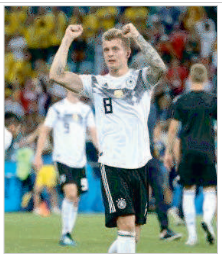

रियल मैड्रिड के जर्मन मिडफील्डर क्रूस कोरोना पॉजिटिव पाए गए

मैड्रिड। रियल मैड्रिड के जर्मन मिडफील्डर टोनी क्रूस कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। क्लब ने इसकी पुष्टि की है। क्लब ने कहा है कि सीजन के निर्णायक आखिरी गेम के लिए उसे क्रूस की सेवाएं नहीं मिलेंगी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, क्रूस शुक्रवार से घर पर आईसोलेट हो गए थे। एडर मिलिटाओ, कासेमिरो, नाचो फर्नांडीज, राफेल वराने, सर्जियो रामोस, फेडे वाल्वरडे और लुका जोविक के बाद क्रूस इस सीजन में कोविड पॉजिटिव पाए जाने वाले रियल मैड्रिड की पहली टीम का नौवां सदस्य हैं। रियल मैड्रिड के कोच जिनेदिन जिदान और क्लब के अध्यक्ष फ्लोरेंटिनो पेरेज भी इससे पहले वायरस से संक्रमित हो गए थे। क्रूस इस सीजन में रियल मैड्रिड के लिए एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी रहे हैं, उन्होंने सभी प्रतियोगिताओं में 42 मैचों में 3,194 मिनट मैदान पर बिताया है और इस दौरान 3 गोल और 12 एसिस्ट प्रदान किए हैं।

हत्या के आरोप में भागते फिर रहे सुशील कुमार ने कोर्ट में डाली जमानत याचिका

नई दिल्ली (एजेंसी)।

हत्या के आरोप में फरार चल रहे कुश्ती में ओलंपिक मेडल जीतनेवाले पहलवान सुशील कुमार ने गिरफ्तारी से बचने के लिए रोहिणी कोर्ट में अग्रिम जमानत के लिए याचिका दाखिल की है। बताया जा रहा है कि रोहिणी कोर्ट आज सुशील कुमार की अग्रिम जमानत अर्जी पर सुनवाई करेगा। इससे पहले दिल्ली पुलिस ने सुशील कुमार की गिरफ्तारी के लिए एक लाख रूपये का इनाम घोषित किया था। दिल्ली पुलिस ने सोमवार को कहा कि छत्रसाल स्टेडियम में सागर राणा की हत्या को लेकर पहलवान सुशील कुमार की गिरफ्तारी से संबंधित सूचना देने पर एक लाख रुपए दिया जाएगा। इसके अलावा सुशील के साथ फरार चल रहे अजय बक्करवाला पर भी पुलिस ने 50 हजार रुपए का इनाम रखा है। उल्लेखनीय है कि छत्रसाल स्टेडियम में 23 वर्षीय सागर राणा की हत्या के मामले में सुशील कुमार व अन्य के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया है। पहलवान सुशील कुमार की अग्रिम जमानत याचिका पर रोहिणी अदालत में सुनवाई शुरू हो गई है। सुशील कुमार की ओर से कहा गया कि पुलिस ने दुर्भावनापूर्ण तरीके से केस बनाया है। सुशील ने कहा है कि वह दो बार के ओलम्पियन हैं और उन्हें राजीव गांधी खेल रत्न, अर्जुन अवार्ड, पद्मश्री मिल चुका है जबकि सोनू हिस्ट्री शीटर है और उस पर कई केस दर्ज हैं। सुशील की ओर से कहा गया है कि पुलिस ने इस मामले में कई तथ्यों को छिपाया है जैसे पांच मई की रात 1.19 बजे पर छत्रसाल स्टेडियम पर झगड़े की कॉल आई और कहा गया कि वहां दो गोलियां चली लेकिन पुलिस ने ये नहीं बताया कि फायरिंग किसने की। वाहन से हथियार मिला लेकिन कोई चश्मदीद नहीं मिला। अगर गोली हवा में चलाई गई तो ये हत्या का मामला कैसे बना क्योंकि इससे साफ है कि इरादा हत्या का नहीं था। सुशील के वकील सिद्धार्थ लूथरा ने कहा कि कार से जो हथियार बरामद हुए हैं वो सुशील के नहीं है। कार से भी उसका कोई लेना देना नहीं है उनकी पत्नी के नाम की संपत्ति में सागर किराए पर रह रहा था जिसने किराया नहीं दिया था। पुलिस ने ये भी नहीं बताया कि सुशील का पासपोर्ट जब्त कर लिया है।

टेलर को टेस्ट सीरीज और डब्ल्यूटीसी फाइनल से पहले फिट होने का भरोसा

ऑकलैंड। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज रॉस टेलर ने कहा है कि उन्हें भरोसा है कि वह इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज और भारत के खिलाफ होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल मुकाबले से पहले पिंडली की चोट से उभर जाएंगे। न्यूजीलैंड को इंग्लैंड के खिलाफ दो जून से दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। इसके बाद उसे विराट कोहली के नेतृत्व वाली टीम इंडिया के खिलाफ 18 जून से डब्ल्यूटीसी का फाइनल मुकाबला खेलना है। 37 वर्षीय टेलर को इस महीने ट्रेनिंग के दौरान पिंडली में चोट लग गई थी। उन्होंने कहा, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर के लिए यह जीवन का एक हिस्सा है। टेलर ने कहा, अगर आपकी उम्र 32 वर्ष की है तो पिंडली की चोट को लेकर आप इतने चिंतित नहीं होते हैं लेकिन जब आप 37 वर्ष के हैं तो इस बारे में चर्चा थोड़ी ज्यादा होती है। हालांकि मुझे फिट होने का भरोसा है। टेलर ने 2008 में मैनचेस्टर में खेले गए टेस्ट में नाबाद 154 रन बनाए थे और उनके अनुसार मैनचेस्टर में यह उनकी अबतक की सबसे अच्छी पारी थी। उन्होंने कहा, क्रिकेट खेलने के लिए इंग्लैंड सबसे अच्छी जगह है। बबल में आना हमेशा अजीब होता है। 13 साल पहले के दौरे की यादें अभी भी ताजा हैं और वो मेरी मैनचेस्टर में सबसे अच्छी पारी थी।

सरकार ने शुरू की तैयारी

गुजरात में अगस्त से नवंबर के बीच कोरोना की तीसरी लहर?

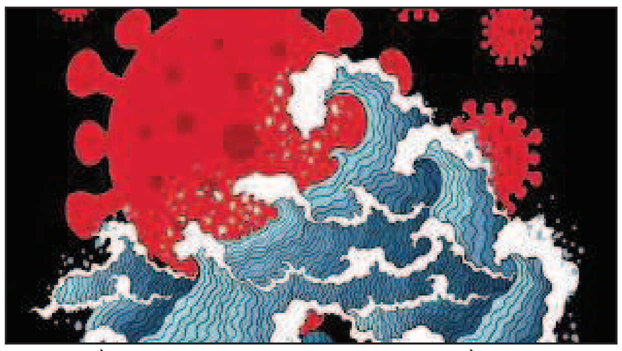

सरकार त्योहार पर भीड़ पर बैन लगाने की कर रही तैयारी, तीसरी लहर आई तो दूसरी लहर से पांच गुना ज्यादा होंगे केस

अहमदाबाद।

कोरोना महामारी की लहर को लेकर भविष्यवाणी करना मुश्किल है, लेकिन गुजरात सरकार ने कोविड की तीसरी लहर को लेकर तैयारियां शुरू कर दी हैं। सरकार को अनुमान है कि अगस्त और नवंबर के बीच कोविड-१९ मामलों में उछाल आ सकता है और संभावित तीसरी लहर लोगों में फैल सकती है। इन महीनों के बीच कई त्योहार आयोजित किए जाते हैं। अगस्त में रक्षाबंधन से शुरू होकर, जन्माष्टमी, नवरात्रि और दिवाली जैसे कई त्योहार मॉनसून के बाद शुरू हो जाएंगे। इन त्योहारों के दौरान बड़ी संख्या में लोग घरों के बाहर निकलते हैं। एक दूसरे से मिलते-जुलते हैं, ऐसे में कोविड-१९ के मामलों में वृद्धि की उम्मीद है। सरकार की योजना टीम में शामिल एक अधिकारी ने बताया कि सरकार की टास्क फोर्स और विशेषज्ञ महामारी की संभावित तीसरी लहर की तैयारी कर रहे हैं। हालांकि तीसरी लहर के बारे में भविष्यवाणी करना बहुत मुश्किल है। लेकिन शीर्ष अधिकारियों का मानना है कि आमतौर पर गुजरात में त्योहारों के दौरान भीड़भाड़ शुरू हो जाती है, इसलिए आने वाले त्योहारों का मौसम महामारी की तीसरी लहर पैदा कर सकता है।

अधिकारियों ने कहा कि गुजरातभर में धार्मिक और सामाजिक समारोह और मेले 'श्रवण' (अगस्त के आसपास) के महीने में होते हैं। राज्य सरकार इस तरह के सभी आयोजनों पर प्रतिबंध लगाने की संभावना है। इसके बाद, नवरात्रि उत्सव होगा और सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती अक्टूबर में नवरात्रि उत्सव पर बैन लगाना होगा। सूत्रों की मानें तो सरकार इसपर कुछ प्रतिबंध लगाएगी। सूत्र ने कहा कि नवंबर में दिवाली और नए साल के त्योहारों में सरकार को एक और चुनौती का सामना करना पड़ेगा। इसलिए सरकार का लक्ष्य है कि नवंबर तक अधिक से अधिक लोगों का वैक्सीनेशन किया जा सके। पिछले साल नवंबर में पहली लहर में, रोज लगभग १,६०७ मामले सामने आ रहे थे, जबकि दूसरी लहर के दौरान ३० अप्रैल को रोज १४,६०५ मामले सामने आए, जो पहली लहर की तुलना में नौ गुना ज्यादा थे।

हालांकि सरकार में कोई भी तीसरी लहर में केसों को लेकर अनुमान पर कुछ कहने को तैयार नहीं है लेकिन कहा जा रहा है कि दूसरी लहर में जो केस सामने आ रहे हैं तीसरी लहर में वह केस पांच गुना अधिक हो सकते हैं। कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि अगर तीसरी लहर से पहले बड़े पैमाने पर टीकाकरण किया जाता है, तो दूसरी लहर की तुलना में मामले बहुत कम हो सकते हैं।

चक्रवाती तूफान से गुजरात के तटीय इलाकों में मची तबाही

अरब सागर में पैदा होने वाला शक्तिशाली तूफान तौकते गोवा, महाराष्ट्र के बाद अब गुजरात में तबाही मचा रहा है

गांधीनगर।

अरब सागर में पैदा होने वाला शक्तिशाली तूफान 'तौकते' गोवा, महाराष्ट्र के बाद अब गुजरात में तबाही मचा रहा है। ऊना में कल रात ९:३० बजे तूफान तौकते ने दस्तक दी। तूफान के बाद दीव में १३३ किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चली रही है। जिसकी वजह से दीव-उना में ३०० से अधिक पेड़ गिर गए। जबकि राजुला और अमरेली में कई ग्रामीण इलाकों में कच्चे मकान गिए गए। तूफान की वजह से अहमदाबाद में सुबह से बारिश हो रही है। चक्रवाती तूफान की वजह से सूरत में कई जगहों पर पेड़ गिर गए।

नगर निगम की टीम पेड़ों को काटकर रास्ते से हटाने का काम कर रही है। मिल रही जानकारी के अनुसार सूरत में अभी भी तेज़ हवाओं के साथ बारिश हो रही है। वहीं चक्रवाती तूफान तौकते की वजह से अमरेली में भी काफी नुकसान हुआ है। वहां भी अभी तेज़ हवा चल रही है और बारिश भी हो रही है। इससे पहले तौकते का असर मुंबई में देखने को मिला था। जहां ३०० से ज्यादा पेड़ गिर गए थे। वहीं ६ लोगों की मौत भी हो गई थी। तूफान के की वजह से मुंबई और गोवा हवाईअड्डे को कई घंटों तक बंद रखा गया था। इसके अलावा तूफान कर्नाटक को भी अपनी चपेट में ले चुका है। गुजरात में इस तरह के चक्रवाती तूफान की आहट से पहले राज्य सरकार जीरो कैजुअल्टी संकल्प के साथ प्रभावी ढंग से काम कर रही है। स्टेट इमरजेंसी ऑपरेशंस सेंटर से मिली जानकारी के मुताबिक जिस जगह पर इसका प्रभाव सबसे ज्यादा पड़ने वाला था वहां से लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। गुजरात के संभावित १८ जिलों से दो लाख से अधिक नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है।

तटरक्षकों ने समुद्र में फंसे दो वाहनों से १६ लोगों को बचाया

उप संभागीय मजिस्ट्रेट एस एन जनकत ने कहा कि तेज हवा के चलते रस्सियां टूटने बाद ये तीनों नौकाएं समुद्र में फंस गईं थी

अहमदाबाद।

भारतीय तटरक्षकों ने ताउते चक्रवात के चलते गुजरात के वेरावल बंदरगाह के निकट समुद्र में फंसी मतस्य नौका में सवार आठ मछुआरों को मंगलवार को बचा लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि इसके अलावा तटरक्षक बल के दो चेतक हेलीकॉप्टरों ने बेहद खराब मौसम के बीच (पड़ोसी महाराष्ट्र) के सतपति तट के निकट समुद्र में फंसे गल कंस्ट्रक्टर जहाज के चालक दल के आठ सदस्यों को भी बचा लिया। गुजरात के एक रक्षा प्रवक्ता द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि मछुआरों के फंसे होने की सूचना मिलने का बाद तटरक्षक गोताखोर अपनी बचाव नौका के साथ वहां पहुंचे और मछुआरों को तट पर सुरक्षित वापस ले आए। राज्य सरकार के अधिकारियों के अनुसार वेरावल बंदरगाह के निकट फंसी तीन नौकाएं मंगलवार तड़के समुद्र में उतरी थीं। उसी दिन ताउते चक्रवात ने गिर-सोमनाथ जिले में वेरावल के निकट उना तालुका में दस्तक दी थी। उप संभागीय मजिस्ट्रेट एस एन जनकत ने कहा कि तेज हवा के चलते रस्सियां टूटने बाद ये तीनों नौकाएं समुद्र में फंस गईं थी। एक नौका में आठों मछुआरे सवार थे जबकि शेष दोनों नौकाएं खाली थीं। उन्होंने कहा कि भारी नुकसान के कारण मंगलवार सुबह एक नौका समुद्र में डूब गई।

राज्य के 8 महानगरों समेत 36 शहरों में रात्रिकालीन कर्फ्यू 21 की सुबह 6 बजे तक बढ़ा

अहमदाबाद।

मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने कोरोना संक्रमण के नियंत्रण के केंद्रीय गृह मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के संदर्भ में राज्य के 36 शहरों में रात्रि कर्फ्यू सहित अतिरिक्त पाबंदियों को बढ़ाने का निर्णय किया है। मुख्यमंत्री ने इस संबंध में यह स्पष्ट किया है कि गुजरात सरकार ने राज्य के सभी नागरिकों को मौजूदा चक्रवात की आशंका और कोरोना के हालात में सुरक्षित रखने तथा कम से कम तकलीफ हो ऐसी सहानुभूति के साथ रात्रि कर्फ्यू और अतिरिक्त पाबंदियों को और तीन दिनों के लिए यथावत रखने का निर्णय किया है। मुख्यमंत्री के इस निर्णय के अनुसार राज्य के 8 महानगरों समेत 36 शहरों में जारी रात्रि कर्फ्यू 18 मई से 20 मई, 2021 तक प्रतिदिन रात्रि 8 बजे से सुबह 6 बजे तक यथावत लागू रहेगा। इन 36 शहरों में अभी जो पाबंदियां अमल में हैं, उसे भी 18 मई, सुबह 6 बजे से 21 मई की सुबह 6 बजे तक यथावत रखा गया है। इन 36 शहरों के अलावा राज्य के अन्य क्षेत्रों में अभी जो पाबंदियां लागू हैं, वह 18 मई की सुबह 6 बजे से 21 मई की सुबह 6 बजे तक अमल में रहेगी। मुख्यमंत्री ने राज्य में कोरोना संक्रमण की रोकथाम के उद्देश्य से लागू रात्रि कर्फ्यू सहित अतिरिक्त नियंत्रणों को लेकर राज्य के छोटे-बड़े व्यापारियों, उद्योगों तथा जनता-जनार्दन ने जो सहयोग दिया है उसके लिए आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि सभी के सामूहिक प्रयास फलदायी साबित हुए हैं और कोरोना मामलों की संख्या में कमी दर्ज की जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने समूचे हालात का आकलन करने के बाद तथा नागरिकों को अधिक सुरक्षित रखने के आशय से रात्रि कर्फ्यू सहित सीमित पाबंदियों को और तीन दिनों तक बढ़ाने का निर्णय किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के संदर्भ में जो अन्य निर्णय किए हैं उसके अनुसार इन 36 शहरों में 18 मई से 21 मई, 2021 की सुबह 6 बजे तक आवश्यक सेवाओं व गतिविधियों को ही चालू रखने का आदेश राज्य सरकार ने दिया है। कोविड-19 के कामकाज से सीधे तौर पर जुड़ी सेवाएं तथा आवश्यक सेवाएं चालू रहेंगी। मेडिकल, पैरामेडिकल तथा उससे संबंधित स्वास्थ्य सेवाएं तथा ऑक्सीजन उत्पादन और वितरण व्यवस्था चालू रहेगी। राज्य में चश्मे की दुकानों को मेडिकल सेवा से जुड़ी मानते हुए उसे भी चालू रखने का निर्णय किया गया है। इन 36 शहरों में आम जनजीवन में कोई तकलीफ न हो और

वह पूर्ववत जारी रहे उसके लिए राज्य सरकार ने डेयरी, दूध और सब्जी-फल आदि के उत्पादन, वितरण और बिक्री तथा उसकी होम डिलीवरी सेवाओं को चालू रखने के आदेश दिए हैं। सब्जी तथा फल बाजार चालू रहेगा। किराना, बेकरी, सभी प्रकार की खाद्य सामग्री की बिक्री और उसे पहुंचाने वाली ऑनलाइन सेवाएं, अनाज तथा मसाला पीसने की चक्की, घरेलू टिफिन सर्विस और होटल और रेस्टोरेंट की टेक-अवे सुविधाएं जारी रहेंगी।

१० साल में पहली बार मई में सबसे ज्यादा बारिश हुई

सूरत।

शक्तिशाली तूफान "तौकते" का कहर गुजरात में अभी भी जारी है। यह तूफान सोमवार रात नौ बजे गुजरात के तट से टकराया था। तौकते के असर से सोमवार को दोपहर से ही राज्य में बारिश शुरू हो गई थी। सूरत में शाम ६ बजे से रात १० बजे के बीच २३ मिमी बारिश हुई।

इस दौरान विजिबिलिटी भी १०० मीटर से नीचे चली गई थी। इसके अलावा सूरत जिले के ओलपाड तालुका में १५ मिमी बारिश दर्ज की गई है। सूरत शहर में जून में प्री-मानसून बारिश होती है। लेकिन इस बार चक्रवाती तूफान की वजह से १० साल मई में इतनी बारिश हुई है। इससे पहले ३० मई २०१७ को ०।५ मिमी बारिश हुई थी। उससे पहले १४ मई २०१४ को ४।४ मिमी बारिश हुई थी। हालांकि २६ मई १९७४ को रिकॉर्ड ५१।६ मिमी बारिश दर्ज की गई थी।

सूरत में अभी तक तूफान की वजह से शुरू होने वाली बारिश ने विराम नहीं लिया है। चक्रवाती तूफान की वजह से सूरत में कई जगहों पर पेड़ गिर गए। नगर निगम की टीम पेड़ों को काटकर रास्ते से हटाने का काम कर रही है। मिल रही जानकारी के अनुसार सूरत में अभी भी तेज़ हवाओं के साथ बारिश हो रही है।

वहीं चक्रवाती तूफान तौकते की वजह से अमरेली में भी काफी नुकसान हुआ है। वहां भी अभी तेज़ हवा चल रही है और बारिश भी हो रही है।

चक्रवात से निपटने के अग्रिम आयोजन की वजह से व्यापक नुकसान रोक पाए : मुख्यमंत्री

अहमदाबाद।

मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने मंगलवार को गांधीनगर स्थित स्टेट इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर में लगातार तीन घंटे तक बैठकर गुजरात से टकराए भीषण चक्रवाती तूफान 'तौकते' से और विशेषकर राज्य के तटीय जिलों के हालात को लेकर समीक्षा बैठक बुलाकर तूफान से मची तबाही सहित अन्य तमाम जानकारियां हासिल कीं। गौरतलब है कि जब इस चक्रवाती तूफान को लेकर भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने पूर्वानुमान जारी किया था, तभी से मुख्यमंत्री ने लगातार जिला प्रशासन सहित समूचे राज्य के प्रशासनिक तंत्र को अग्रिम आयोजन और इस आपदा का सामना करने के लिए 'जीरो कैजुअल्टी' के दृष्टिकोण से विस्तृत और अग्रिम प्लान के लिए तैयार कर दिया था। रूपाणी स्वयं सोमवार मध्य रात्रि तक स्टेट कंट्रोल रूम में मौजूद रहे थे और चक्रवात प्रभावित जिलों के कलक्टरों से लेकर फील्ड स्तर के तहसीलदार और प्रांत अधिकारियों के साथ टेलीफोन के जरिए संपर्क में रहकर चक्रवात प्रबंधन की अनोखी प्रतिबद्धता दर्शायी थी। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने सोमवार रात चक्रवाती तूफान 'तौकते' के गुजरात के तट पर लैंडफॉल होने के बाद पैदा हुए हालात की और विस्तृत समीक्षा मंगलवार सुबह स्टेट इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर में पहुंचकर की। उन्होंने इस समीक्षा और परिस्थिति का जायजा लेने के बाद मीडिया के साथ बातचीत में समूचे हालात की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सोमवार रात से आज यानी मंगलवार सुबह तक चक्रवात के तेजी से आगे बढ़ने से राज्य के अलग-अलग क्षेत्रों में उसका असर पड़ना शुरू हो गया है। गत रात 160 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही हवाएं अब 110 से 115 किमी प्रति घंटे की गति से चल रही हैं और अब यह चक्रवात क्रमशः कमजोर पड़ता जा रहा है। उन्होंने यह साफ किया कि इस चक्रवात के इतने ज्यादा घंटों तक गुजरात से गुजरने के कारण व्यापक नुकसान हो सकता है, लेकिन राज्य सरकार ने अग्रिम योजना बनाते हुए तीन दिनों पहले ही सारी तैयारियां पूरी कर ली थीं। इतना ही नहीं, 2 लाख से अधिक लोगों का सुरक्षित जगहों पर स्थानांतरण हो जाने से बड़ी जनहानि या दूसरी कोई बड़ी दुर्घटना सामने नहीं आई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बात पर विशेष ध्यान दिया गया है कि इस चक्रवाती तूफान के परिणामस्वरूप कोविड हॉस्पिटलों में उपचार करवा रहे लोगों को कोई तकलीफ न हो। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि पूरे राज्य में 1400 कोविड हॉस्पिटलों में से 16 हॉस्पिटलों में बिजली की आपूर्ति प्रभावित हुई थी, जिसमें से 12 स्थानों पर आपूर्ति को बहाल कर दिया गया है और 4 जगहों पर जनरेटर से सप्लाई जारी है, मरीजों के उपचार में कहीं कोई बाधा नहीं आई है। रूपाणी ने कहा कि कोविड-19 की मौजूदा स्थिति में गुजरात के ऑक्सीजन उत्पादक गुजरात के अलावा अन्य राज्यों को भी ऑक्सीजन की सप्लाई कर रहे हैं, तब इस चक्रवात के कारण किसी भी ऑक्सीजन प्लांट में भी कोई रुकावट नहीं आई है। गुजरात से बड़े पैमाने पर महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली जैसे देश के अन्य राज्यों में हो रहे

ऑक्सीजन सप्लाई में भी किसी प्रकार की अड़चन नहीं आई है और डिलीवरी जारी है। मुख्यमंत्री ने राज्य में बिजली आपूर्ति की स्थिति की समीक्षा की जानकारी देते हुए कहा कि इस चक्रवात के चलते राज्य के 2437 गांवों में बिजली आपूर्ति बाधित हुई थी, जिसमें से विद्युत विभाग की टीमों ने तेजी से कार्रवाई करते हुए 484 गांवों में बिजली आपूर्ति बहाल कर दी है। दो सबस्टेशन प्रभावित हुए हैं उसके सहित अन्य मामूली रूप से प्रभावित सबस्टेशनों को भी तेजी से बहाल कर दिया जाएगा। इसके अलावा, 1081 बिजली के खंभों को नुकसान हुआ है। 196 सड़कें बंद जबकि 159 मार्गों को नुकसान पहुंचा है, जिसमें से 42 को मोटरेबल यानी वाहन चलने लायक बना दिया गया है। 40 हजार पेड़ भी इस चक्रवात के चलते धराशायी हुए हैं, यहां सड़क और मकान तथा वन सहित अन्य विभागों ने बहाली और मरम्मत का कार्य शुरू कर दिया है।

गुजरात में तबाही मचा रहे चक्रवात का देवभूमि द्वारका पर कोई असर नहीं

अहमदाबाद।

गुजरात में खासकर तटीय इलाकों में तबाही मचा रहे तौकते चक्रवात का भगवान द्वारकाधीश की नगरी देवभूमि द्वारका में अब तक कोई खास असर नहीं दिखा। सोमवार की रात करीब 9 बजे 150-1।5 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चक्रवात गुजरात से टकराया था। राज्यभर में चक्रवात ने काफी तबाही मचाई, परंतु देवभूमि द्वारका जिले में इसका कोई असर नहीं हुआ। द्वारका में सामान्य हवा और गर्मी के बीच समुद्र भी शांत है। सोमवार की रात द्वारका जिले में धूलभरी आंधी को छोड़ द्वारका जिले में किसी प्रकार के नुकसान की खबर नहीं है। द्वारका में फिलहाल गर्मी के साथ आसमान में बादलों का जमावडा है। चक्रवात को देखते हुए जिला प्रशासन ने तटीय इलाकों के 51 गांवों में शेल्टर होम तैयार किए हैं। जिले के सभी बंदरगाहों पर 8 नंबर का सिग्नल लगा दिया गया है। राहत और बचाव कार्य के लिए एनडीआरएफ की टीम भी तैनात है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)